राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 15 नवंबर 2026 वर्ष-9,अंक-280 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

## भारत ने पाकिस्तान के मुंह से छीना हारा हुआ मैच

**अल अमीरात (एजेंसी)।** भारत ने पाकिस्तान को अंडर-19 एशिया कप फाइनल में 1 विकेट से हरा दिया। शनिवार को अल अमीरात में भारत ने 9वीं बार यह टूर्नामेंट में जीता। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर रहे पाकिस्तान ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 337 रन बनाए। उस्मान खान ने 107 रन बनाए। उन्होंने 11 चौके और 3 सिक्स लगाए। अब्दुल कादिर ने 80 रन की पारी खेली। भारत से काव्य पटेल ने 4 और सी. वेंकट ने 3 विकेट लिए। जवाब में भारतीय टीम ने 49.6 ओवर में 9 विकेट पर 339 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने 80 रन की पारी खेली। उन्होंने 5 चौके लगाए। आर्यवीर



सहवाग ने 58 रन बनाए। उन्होंने 9 चौके लगाए। आखिरी ओवर में मोहित ने चौका लगाकर जीत दिलाई। उन्होंने 49 रन बनाए। 49वें ओवर में मोहम्मद उल्वा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 17 रन बटोरे। मोहम्मद सय्यम के ओवर की पहली गेंद पर उल्वा ने चौका लगाया। दूसरी गेंद पर डीप एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से छक्का जड़ा। इसके बाद चिगुरुपति वेंकट ने चौथी गेंद पर चौका लगाया। ओवर में दोनों बल्लेबाजों ने 1-1 रन भी लिया। 49 ओवर के बाद भारत का स्कोर 9 विकेट पर 330 रन हो गया। उल्वा 22 गेंदों में 43 और वेंकट 6 गेंदों में 9 रन बनाकर खेल रहे थे। आखिरी ओवर में भारत को जीत के लिए 8 रन चाहिए थे, जबकि पाकिस्तान को सिर्फ एक विकेट की जरूरत थी।

## यूपी वीरों की भूमि यहां 20 लाख जवानों का परिवार

**मेरठ (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेरठ छावनी आज कहा, मैं मानता हूं कि सैनिक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता। एक सैनिक की वर्दी बदलती है, लेकिन उनका राष्ट्रभक्ति का संकल्प कभी नहीं बदलता है। जब सेना से अवकाश ग्रहण करके वह गांव लौटकर आता है तो वह गांव के



समाज के लिए एक मार्गदर्शक और प्रेरणा भी बनता है। सीएम योगी ने यह बात मेरठ छावनी में आयोजित पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह में कही। इस समारोह में हजारों पूर्व सैनिकों ने भाग लिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व सैनिकों, वीरता पदक विजेताओं और शहीद सैनिकों के परिवारों के लिए तीन बड़े फैसलों का ऐलान किया। पूर्व सैनिक सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों और उनके परिवारों के सम्मान, सुरक्षा और सुविधाओं के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने वीरता पुरस्कारों की आर्थिक सहायता दोगुनी करने से लेकर शहीदों के आश्रितों को नौकरी देने तक कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं।

# 169 जिलों में यूरिया के अत्यधिक इस्तेमाल ने बढ़ाई टेंशन

### कहीं देश से बाहर तो नहीं हो रहा डायवर्जन! तेज हुई जांच

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश के 169 जिलों में यूरिया के अत्यधिक इस्तेमाल को लेकर चर्चा तेज हो गई है। ऐसे में सीएजी ने फर्टिलाइजर सब्सिडी का अखिल भारतीय परफॉरमेंस ऑडिट शुरू किया है। इसका मुख्य उद्देश्य कम से कम 169 जिलों में सब्सिडी वाले यूरिया के कथित डायवर्जन (यानी तय जगह के बजाय कहीं और भेजे जाने) की जांच करना है। इसमें फर्टिलाइजर को देश के बाहर भेजे जाने की आशंका भी शामिल है। इस साल मई में शुरू हुआ यह ऑडिट 2027 के मध्य तक पूरा होने की उम्मीद है, जिसे संसद के शीतकालीन सत्र में पेश किया जा सकता है। सरकार सब्सिडी वाले यूरिया पर सालाना 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च करती है। कुछ जिलों में यूरिया की खपत राष्ट्रीय और



राज्य के औसत से कहीं ज्यादा है, जिसने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। सीएजी यूरिया सब्सिडी ढांचे की मांग और कार्यकुशलता का आंकलन करेगा; यही इस ऑडिट के दायरे में भी शामिल है। जिन 169 जिलों में कथित डायवर्जन की जांच होनी है, उनमें से 149 को कैग ने शुरुआत में ही उनके खपत पैटर्न के आधार पर चुना था, जो राज्य और राष्ट्रीय औसत से अधिक था। बाद में, केंद्र सरकार की सिफारिश पर 20 और जिलों को इसमें जोड़ा गया, ताकि उनके खपत पैटर्न की भी जांच की जा सके।

### 'ई-वे बिल' के आधार पर यूरिया के डायवर्जन की आशंका

हाल ही में वित्त मंत्रालय ने ई-वे बिल के आधार पर यूरिया के डायवर्जन की आशंका जताई थी, क्योंकि यह पाया गया कि ट्रक तय रास्ते के बजाय दूसरे रास्तों से जा रहे थे या कई जगहों पर रुक रहे थे। एक संसदीय समिति ने भी यूरिया के डायवर्जन, खासकर सीमावर्ती जिलों में, को लेकर चिंता जताई थी। अधिकारियों ने बताया कि यूपी, राजस्थान, पंजाब और बिहार के सीमावर्ती जिलों से सब्सिडी वाले यूरिया को दूसरी जगहों पर भेजे जाने (डायवर्जन) की खबरों ने इस बात पर भी संदेह पैदा कर दिया है कि कहीं इसे देश के बाहर तस्करी करके तो नहीं भेजा जा रहा है। यूरिया की अत्यधिक खपत के लिए जिन जिलों की जांच की जा रही है, उनमें सबसे ज्यादा 37 जिले यूपी में हैं। इसके बाद बिहार और तमिलनाडु में 16-16 जिले, और पंजाब तथा गुजरात में 14-14 जिले शामिल हैं। बाद में जांच के दायरे में लाए गए 20 जिले कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से हैं। भारत में यूरिया की कुल खपत सालाना लगभग 400 लाख मीट्रिक टन होने का अनुमान है। इसमें से 100 मीट्रिक से अधिक का आयात किया जाता है। घरेलू उत्पादन के लिए भी बड़ी मात्रा में आयातित एनपीए की जरूरत होती है, क्योंकि यूरिया बनाने की कुल लागत में 90 फीसदी हिस्सा इसी ईंधन का होता है। एक अधिकारी ने बताया कि सब्सिडी वाले यूरिया की अत्यधिक खपत से सरकारी खजाने पर सब्सिडी का बोझ बढ़ता है और आयात पर हमारी निर्भरता भी बढ़ती है।

## आईएएफ विंग कमांडर ने मांगे थे महिला जासूस से न्यूड फोटो

- बदले में फाइटर जेट की लोकेशन भेजी, चार्जशीट में खुलासा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर ने न्यूड तस्वीरों के लालच में देश की सुरक्षा से जुड़े गोपनीय राज पाकिस्तान को सौंप दिए। 5 महीने पहले गिरफ्तार इस अफसर की करतूतों का अब कोर्ट में दायर चार्जशीट से खुलासा हुआ है। इसके मुताबिक विंग कमांडर ने पाकिस्तानी




महिला जासूस को लेह में लड़ाकू विमानों की तैनाती, राजस्थान में सैन्य अभ्यास और ड्रोन यूनिट की क्षमताओं से जुड़ी जानकारी तक दे दी। युद्ध के समय सेना कहां तैनात हो सकती है, इससे जुड़े दस्तावेज के पन्ने भी भेजे। उसने कहा था कि हर न्यूड फोटो के बदले वह वॉर प्लान का एक नया पेज देगा। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। आरोपी विंग कमांडर मनोरथ सिंह सभरवाल को अगस्त 2026 में गिरफ्तार किया गया था। पटियाला हाउस कोर्ट ने उसे 5 दिसंबर को अदालत में पेश करने का आदेश दिया है।

# खालिस्तान की आग भड़काने की तैयारी में आईएसआई

- पंजाब चुनाव पर रख रहा बारीक नजर, साजिश का खुलासा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ सिख प्रवासियों और कश्मीर से जुड़े दबाव समूहों को एकजुट करने के लिए एक साल की योजना तैयार की है। विदेशों में मौजूद अपने संपर्कों के जरिए पाकिस्तान की इस कवायद पर भारतीय एजेंसियों की नजर है। इस्लामाबाद भारत के खिलाफ अपने दुष्प्रचार को बड़े स्तर पर ले जाना चाहता है। इसके लिए उसने विदेशों में सक्रिय अपने लोगों पर भारी निवेश करना शुरू कर दिया है। अगले एक साल में पाकिस्तान का मुख्य फोकस अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में रहने वाले सिखों को पाकिस्तान बुलाने पर होगा। इसके अलावा, विदेशों में सक्रिय अपने दबाव समूहों




के सदस्यों को भी पाकिस्तान बुलाने की तैयारी की जा रही है, ताकि भारत विरोधी दुष्प्रचार को तेज करने के लिए कई बैठकें आयोजित की जा सकें। **दुबई और इस्तांबुल के रास्ते पाकिस्तान लाने की रणनीति-** एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद एक ऐसी रणनीति पर काम कर रहा है, जिसके तहत दुबई, कोलंबो, कुआलालंपुर और इस्तांबुल के रास्ते सिख प्रवासियों को बुलाएगा।

### मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दों को उछालने की तैयारी

इन आयोजनों के दौरान कश्मीर और पंजाब से जुड़े कथित मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दे उठाए जाएंगे। अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान का मुख्य मकसद अपने एजेंडे का प्रचार करना और इसके बाद अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की मांग को आगे बढ़ाना है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब पाकिस्तान सिख समुदाय को अपने पक्ष में करने की पुरजोर कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान का पूरा ध्यान विदेशों में रहने वाले सिखों पर है।

### कानूनी तरीके से पाकिस्तान लाने की तैयारी

इंटेलीजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद एक ऐसा रोडमैप तैयार कर रहा है, जिसके जरिए इन लोगों को पाकिस्तान लाया जा सके। ये दौरे गुप्त नहीं होंगे, बल्कि इन लोगों को कानूनी तरीकों से पाकिस्तान लाया जाएगा। यहां तक कि आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और बैठकों का भी बड़े पैमाने पर प्रचार किया जाएगा। अधिकारी के अनुसार, इससे इन आयोजनों को एक तरह की वैधता मिल जाएगी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ओर से कोई सवाल भी नहीं उठाया जाएगा। फिलहाल पाकिस्तान का मुख्य ध्यान उन दबाव समूहों के सदस्यों पर है, जो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का मुद्दा उठाते हैं। इसके साथ ही खालिस्तान के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए सिख प्रवासियों को भी पाकिस्तान बुलाया जाएगा। एक अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान का इन लोगों को देश में लाने के लिए कानूनी रास्ता चुनना यह दिखाता है कि वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने खालिस्तान को वैध ठहराना चाहता है।

## छठ के बाद निशांत कुमार बनेंगे डिप्टी सीएम!

### सम्राट कैबिनेट विस्तार में नए फॉर्मूले की चर्चा



**पटना (एजेंसी)।** बिहार की सियासत में इन दिनों पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के बेटे और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। निशांत कुमार को लेकर चर्चाएं चल रही हैं जल्द ही वे सम्राट सरकार में उपमुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान हो सकते हैं। कहा जा रहा है कि जेडीयू और बीजेपी के अंदर निशांत कुमार की डिप्टी सीएम की कुर्सी के लिए ताजपोशी की पूरी स्क्रिप्ट तैयार हो चुकी है। बस कुछ राजनीतिक पेच के चलते देरी हो रही है। दरअसल निशांत कुमार के राजनीति में आने से पहले ही जेडीयू नेता और कार्यकर्ता उन्हें मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम के रूप में देखना चाहते थे। कई बार जेडीयू की बैठक में नारे भी लगे थे- बिहार का सीएम कैसा हो, निशांत जैसा हो। हालांकि निशांत कुमार ने खुद ही कोई भी पद लेने से मना कर दिया। बाद में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के कहने पर निशांत कुमार सरकार में शामिल हुए और स्वास्थ्य मंत्री बने।

## रेस्ट जोन से दुर्घटना बीमा तक, राहुल के बड़े ऐलान

# बोले-गिग वर्कर्स को बंधुआ मजदूर बनाना चाहती है भाजपा

**हैदराबाद (एजेंसी)।** लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को हैदराबाद में गिग वर्कर्स की बाइक रैली में शामिल हुए। इस दौरान वह एक गिग वर्कर की स्कूटी पर पीछे बैठकर रैली में पहुंचे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी बाइक रैली में शामिल हुए।

हैदराबाद में आयोजित यह बाइक रैली शिल्पाकला वेदिका से शुरू हुई। राहुल गांधी ने नोवोटेल के पास गिग वर्कर्स को संबोधित किया। वह भारत समिट 2026 में शामिल होने के लिए शुक्रवार रात हैदराबाद पहुंचे थे और नोवोटेल होटल में ठहरे हुए थे। हैदराबाद पहुंचने पर राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, अन्य



मंत्रियों और कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी का स्वागत किया। रैली में शामिल होने के लिए रवाना होने से पहले नोवोटेल होटल के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। हाई-प्रोफाइल सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत डॉग स्क्वॉड ने पूरे इलाके की जांच की। इसके साथ ही वाहनों की आवाजाही पर भी कड़ी नजर रखी गई।

**गिग वर्कर्स के लिए योजनाओं का राहुल गांधी ने किया शुभारंभ-** हैदराबाद के हाइटेक सिटी स्थित जयभेरी ग्राउंड में राहुल गांधी ने तेलंगाना गिग वर्कर्स सोशल सिक्योरिटी एंड वेलफेयर स्कीम का शुभारंभ किया। इस मौके पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क भी मौजूद रहे।

### गिग वर्कर्स मोबाइल पर देख सकेंगे कमाई का पूरा ब्योरा

तेलंगाना गिग वर्कर्स सोशल सिक्योरिटी एंड वेलफेयर स्कीम का शुभारंभ करने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि 21वीं सदी डेटा का युग है। आज देशभर में डेटा की चर्चा हो रही है और डेटा सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। गूगल, फेसबुक, व्हाट्सऐप और उबर जैसी कंपनियां डेटा के आधार पर काम कर रही हैं, लेकिन अब तक भारत में गिग वर्कर्स को अपने ही डेटा तक पहुंच नहीं मिल पा रही थी। उन्होंने कहा कि नया कानून गिग वर्कर्स को अपने डेटा पर अधिकार देगा।

# खरगोन में 25 दिन में दूसरा भूकंप

- तीव्रता 4.5, 3 से 4 सेकंड तक हिली धरती
- लोग घरों से निकले, स्कूली बच्चे मैदान पहुंचे

खरगोन (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में 25 दिन के भीतर दूसरी बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। शनिवार सुबह 9.15 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.5 दर्ज की गई। करीब 3-4 सेकंड तक जमीन में कंपन हुआ। भूकंप का केंद्र मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा से लगे सतपुड़ा क्षेत्र में बताया गया है।

यह खरगोन जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर और जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। इससे पहले 18 अक्टूबर को दोपहर 12.14 बजे 4.1 तीव्रता का भूकंप आया था। उस समय भी भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था। शनिवार को आए झटकों का असर खरगोन,



सेंधवा, खंडवा, बुरहानपुर और भीकनगांव के सीमावर्ती इलाकों में महसूस किया गया। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी के मुताबिक, खरगोन में भूकंप के बाद सुबह 10.29 बजे लेह-लद्दाख क्षेत्र में भी भूकंप आया। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.9 दर्ज की गई।

### कंपन से सोफा खिसका, लोग घरों से बाहर निकले

सुबह अचानक कंपन महसूस होने पर लोग घबरा गए। दीपक कानूनगो, प्रभुराम मालवी और बसंत सोनी ने बताया कि घर में रखे सोफे अपनी जगह से खिसकने लगे। वे परिवार के साथ तुरंत घरों से बाहर आ गए। सनावद रोड स्थित अविसंस स्कूल में भी कंपन महसूस हुआ। इसके बाद शिक्षक बच्चों को भवन से निकालकर मैदान में ले गए। बाद में उन्हें भूकंप के दौरान बचाव के तरीके बताए गए। खरगोन एसडीएम सत्येंद्र बैरवा ने बताया कि जिले के कई इलाकों से कंपन महसूस होने की सूचना मिली है। प्रशासन ने इसकी जानकारी जुटाई है। फिलहाल, नुकसान की सूचना नहीं है। लोगों से सतर्क रहने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की गई है। सेंधवा विधायक मोंटू सोलंकी ने इस पर बात की है।

# गोधरा कांड दुर्घटना नहीं, सोची-समझी साजिश थी

- सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर राकेश अस्थाना ने किया दावा
- बोले-एसआईटी, नानावती आयोग की रिपोर्ट में भी यही थी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पूर्व सीबीआई स्पेशल डायरेक्टर राकेश अस्थाना ने 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड को लेकर दावा किया कि साबरमती एक्सप्रेस के कोच एस-6 में आग दुर्घटना नहीं, बल्कि साजिश थी। अस्थाना ने कहा- सुप्रीम कोर्ट की बनाई एसआईटी और नानावती आयोग की रिपोर्ट में भी आग को जानबूझकर लगाना बताया था।

साथ ही गुजरात पुलिस की जांच को सही पाया था। उन्होंने आरोप लगाया



कि तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव उन्हें इस केस में फंसाना चाहते थे। 27 फरवरी 2002 में गोधरा रेलवे स्टेशन के पास साबरमती एक्सप्रेस के कोच एस-6 में आग लगने से 59 लोगों की मौत हुई थी। इनमें अयोध्या से लौट रहे कारसेवक भी शामिल थे। इसके बाद गुजरात में हिंसा हो गई थी। गुजरात पुलिस ने गोधरा कांड की जांच के लिए अस्थाना की अगुआई में एसआईटी गठित की थी।

### अस्थाना बोले- लालू यादव मुझे फंसाना चाहते थे

2004 में तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने जस्टिस यूसी बनर्जी की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में गोधरा अग्निकांड को हादसा बताया था। रिपोर्ट के मुताबिक, कोच में रखे स्टोव के कारण आग लगी थी। अस्थाना के मुताबिक, बनर्जी कमेटी की रिपोर्ट को गुजरात हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने कमेटी बनाने को गैरकानूनी बताते हुए उसकी रिपोर्ट रद्द कर दी थी। कोर्ट का कहना था कि जब मामले की जांच के लिए पहले से आयोग बना हुआ था, तो रेल मंत्रालय अलग से कमेटी नहीं बना सकता था। अस्थाना ने आरोप लगाया कि लालू यादव उन्हें गोधरा मामले में फंसाना चाहते थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# जनजातीय विकास की दिशा में बढ़ते कदम



उमेश चतुर्वेदी

**जनजातीय गौरव दिवस के बहाने यह पड़ताल जरूरी है कि जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनके गांवों और घरों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की गति पहुंचाने के लिए क्या कुछ किया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय की योजनाओं की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है।**

भारतीय स्वाधीनता आंदोलन अगर कामयाब हुआ तो इसलिए कि उसमें देश के हर वर्ग और तबके ने हिस्सा लिया था। जिस जनजातीय समुदाय को लेकर धारणा रही है कि वह मुख्यधारा से दूर रहा है, उस समुदाय ने भी भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में ना सिर्फ गहन भागीदारी की, बल्कि उसे अंजाम तक पहुंचाने में योगदान भी दिया। इसी समुदाय के थे बिरसा मुंडा, जिन्हें भगवान का दर्जा तक प्राप्त है। उनकी अगुआई में जनजातीय समुदाय ने स्वाधीनता का बिगुल फूंका था। स्वाधीनता आंदोलन में जनजातीय समुदाय की भागीदारी और उनके योगदान की स्मृति में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2021 में बिरसा मुंडा के जन्मदिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया। इस लिहाज से इस बार छठवीं बार जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है।

जनजातीय गौरव दिवस के बहाने यह पड़ताल जरूरी है कि जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनके गांवों और घरों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की गति पहुंचाने के लिए क्या कुछ किया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय की योजनाओं की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है। इसकी वजह भी है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने कामकाज संभालने के बाद से ही जनजातीय विकास के लिए कई योजनाओं को ना सिर्फ शुरू कर रखा है, बल्कि उन्हें अंजाम तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

भगवान बिरसा मुंडा का जन्म सन् 1875 में झारखंड के रांची जिले के उलीहातू में हुआ था। बिरसा सिर्फ स्वाधीनता सेनानी ही नहीं, समाज सुधारक भी थे। बेहद कम उम्र में ही उन्होंने अंग्रेजों के अत्याचारों, भूमि छीने जाने, बेगारी आदि के विरुद्ध जनजातीय समुदायों को संगठित कर उलगुलान किया था। उलगुलान का अर्थ होता है, महान विद्रोह। सिर्फ 25 वर्ष की आयु में ही उन्होंने अपनी जिंदगी स्वाधीनता के नाम होम कर दी। इन्हीं बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पिछले साल मनाई गई थी। बहरहाल हमें यह भी याद रखना होगा कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जनजातीय समाज के दूसरी हस्तियों मसलन, शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गैंदा



सिंह, वीर गुंडाधुर, ठाकुर रामप्रसाद पोर्ते, रानी दुर्गावती आदि को भी याद किया जाता है। छत्तीसगढ़ सरकार इस दिवस को ना सिर्फ याद करती रही है, बल्कि उनकी याद में कई सारे विकास कार्यक्रमों को भी आगे लेकर आई है। इसमें सबसे प्रमुख है, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान यानी पीएम-जनमन योजना। इसे 15 नवंबर 2023 को तीन वर्ष के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू किया था। इस योजना के दायरे में देश के सभी आदिवासी समुदाय आते हैं। इसे स्वाधीन भारत के इतिहास की जनजातियों पर केंद्रित यह अब तक का सबसे बड़ा अभियान कहा जाना अतिशयोक्ति नहीं होगा। इस योजना में जनजातीय समुदाय के विकास से जुड़े नौ मंत्रालयों 11 महत्वपूर्ण गतिविधियां शामिल हैं। इसके तहत आवास, स्वच्छ पेयजल, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर आदि की उपलब्धता तय की जा रही है। इस अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के लिए भारत सरकार द्वारा घोषित पांच विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूहों मसलन, बैगा, पहाड़ी कोरवा, कमार, अबूझमाड़िया एवं बिरहोर की बसाहटों का विकास किया जा रहा है, जिसमें 1545 ग्राम एवं 2365 छोटी बस्तियां शामिल हैं। इसके तहत राज्यम अब तक स्वीकृत 34,691 पक्के आवासों में से करीब 69 प्रतिशत यानी 24,218 आवास बनाए जा चुके हैं। इस योजना के तहत 2,901 किलोमीटर सड़कें बनाने को मंजूरी दी गई है, जिनमें से आधे से ज्यादा यानी करीब 1,833 किलोमीटर सड़क बनाई जा चुकी है। छत्तीसगढ़ ने राज्य के 7,349 जनजातीय परिवारों के घरों का विद्युतीकरण पूरा कर लिया है। राज्य में जनजातीय समुदायों के लिए 191 आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत किए गए हैं और वे सारे कार्यरत हैं। इनमें से 187 के पास अपने भवन भी हैं। छत्तीसगढ़ सरकार से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार 1425 जनजातीय गांवों के लिए पेयजल योजना मंजूर की गई थी, जिनमें से 510 में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो चुकी है। इसी तरह इन इलाकों के लिए 57 मेडिकल वैन संचालित किए जा रहे हैं। जिनके जरिए आदिवासियों के घरों तक अस्पताल पहुंच रहा है और छोटे रोगों का स्थानीय स्तर पर ही इलाज किया जा रहा है। राज्य के स्वीकृत सभी 16 वन अनुसंधान केंद्र भी पूरी तक काम कर रहे है। राज्य में जनजातीय समुदाय के छात्रों के लिए स्वीकृत चालीस छात्रावासों में से 29 में छात्र रहने लगे हैं, जिससे उन्हें सहूलियत हो रही है। राज्य में जनजातीय विकास के लिए 1719 कौशल विकास केंद्र स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 849 पूरी क्षमता के साथ चल रहे हैं, जहां आदिवासी समुदाय के बच्चों को स्थानीय स्तर पर कौशल विकास की दिशा में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

जनजातीय समुदाय के विकास की दिशा में एक और बड़ी योजना है, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान भी है। जिसे दो अक्टूबर 2024 को प्रधानमंत्री मोदी ने शुरू किया। हजारीबाग से शुरू इस योजना के तहत 30 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 549 जिलों में फैले 63,000 से अधिक जनजाति बहुल गांवों को शामिल किया गया है। जाहिर है कि इसमें छत्तीसगढ़ के जनजातीय बहुल जिलों के 6691 गांव शामिल हैं। इसमें 17 मंत्रालयों की 25 योजनाएं और गतिविधियां जैसे पक्के घर, जल आपूर्ति, घरों का विद्युतीकरण, नई सौर ऊर्जा योजना, मोबाइल चिकित्सा इकाइयां, आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना, हॉस्टल, पोषण वाटिकाएं, एलपीजी कनेक्शन, भारतनेट, स्किल इंडिया मिशन, डिजिटल पहल, सतत कृषि को बढ़ावा, मछली पालन सहायता, वन अधिकार पत्र धारकों हेतु पशुधन पालन, वन अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन, बख्लड्ड, ट्राइबल होमस्टे आदि शामिल हैं। इसके साथ ही जनजातीय समुदाय के विकास के लिए राज्य में वन अधिकार अधिनियम को लागू किया जा चुका है। इसके साथ ही विशेष रूप से जनजातीय समुदाय के लिए उपयोजना बजट व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत छत्तीसगढ़ में साल 2023-24 में जहां 21,492 करोड़ 34 लाख रुपये आवंटित किए गए थे, वहीं साल 2026-27 के लिए 42,165 करोड़ 95 लाख 95 हजार रुपये। स्वीकृत किए गए थे। जाहिर है कि इन योजनाओं के जरिए छत्तीसगढ़ जहां जनजातीय समुदायों के गौरव को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है, वहीं इस समुदाय के लोगों को यह संदेश देने की कवायद में जुटा हुआ है कि वे भी देश के वैसे ही नागरिक हैं, जैसे दूसरे लोग हैं।

## संपादकीय

### चुभती महंगाई

बीते माह देश में खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में उछाल से महंगाई दो साल के ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। यह स्पष्ट है कि देश के केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति महंगाई को काबू में रखने में विफल रही है। चिंता की बात है यह महंगाई दर रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित छह फीसदी की तय अधिकतम सीमा को पार कर गई है। इसके साथ ही दिसंबर में होने वाली मौद्रिक नीति निर्धारण करने वाली कमेटी की बैठक में नीतिगत ब्याज दर में एक और बढ़ोतरी की आशंका बलवती हुई है। उल्लेखनीय है कि अक्तूबर में भी आरबीआई ने रेपो रेट में 25 आधार अंक का इजाफा किया था। पिछले एक साल से लगातार बढ़ रही खुदरा महंगाई का दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचना बताता है कि लोगों की क्रय शक्ति क्षमता में कमी आई है। जाहिर है इसका दबाव घरेलू बजट पर पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की तरफ से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते माह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई के आधार पर खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत तक जा पहुंची है। जिसके चलते अगले माह की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो रेट बढ़ने की संभावना फिर प्रबल हो गई है। आशंका है कि इससे उपभोक्ताओं के घर व वाहन आदि के लोन की मासिक किस्ते लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। उल्लेखनीय है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों, जिनकी मूल्य सूचकांक निर्धारण में चालीस फीसदी की हिस्सेदारी होती है, की महंगाई बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। देश में सब्जियां, दालें और किराना का अन्य सामान महंगा हो गया है। वहीं अनाज, तिलहन और चीनी की कीमतों पर भी दबाव बना हुआ है। यहां उल्लेखनीय है कि अक्तूबर माह में खाद्य महंगाई दर बढ़कर 8.94 फीसदी हो गई है। यही वजह है कि लोगों को आशंका है कि उनके लिये आने वाली सर्दियों में मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

यूं तो महंगाई आजकल, वैश्विक उथल-पुथल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने के कारण विश्वव्यापी समस्या हो गई है। खासकर रूस व यूक्रेन तथा खाड़ी में जारी संघर्ष के चलते पेट्रोलियम पदार्थों व उनसे बनने वाले उत्पादों की आपूर्ति बाधित हुई है। लेकिन भारत में बढ़ती महंगाई के कारणों में मौसम की संवेदनशीलता व मुद्रास्फीति भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि देश में घरेलू महंगाई दर लगातार बारहवें महीने बढ़ी है। खाने-पीने की चीजों के अलावा, इसमें परिवहन से जुड़े खर्च, कपड़े,आवास और भोजन से जुड़ी सेवाओं का भी योगदान रहा है। हालांकि, खाड़ी संघर्ष में स्थितियां सामान्य होने की ओर बढ़ने के बाद तेल की कीमतों में कुछ गिरावट आई है। यद्यपि, सीधे तौर पर उपभोक्ताओं को इसका लाभ न मिला हो,लेकिन दामों में कमी अपरोक्ष रूप से कुछ राहत देने वाली जरूर है। इसके बावजूद महंगाई का दबाव बना रहेगा। हालांकि, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि मुख्य महंगाई दर अभी अपने चरम पर नहीं पहुंची है, जो कमजोर और असमान मानसून के असर को दर्शाती है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि वैश्विक स्तर पर खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतों ने घरेलू बाजार पर दबाव बढ़ा ही दिया है।

## चिंतन-मनन

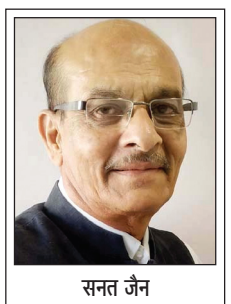
### सफलता का मार्ग

संग्रह की वृत्ति बहिमरुखता का लक्षण है। साधक क्षणजीवी होता है। अतीत की स्मृति और भविष्य की चिंता वह करता है जो आत्मस्थ नहीं होता। वर्तमान में जीना आत्मस्थता का प्रतीक है। एक साधक कल की जरूरत को ध्यान में रखकर संग्रह नहीं करता, पर एक व्यवसायी सात पीढ़ियों के लिए पूरी व्यवस्था जुटाने में संलग्न रहता है। यह बात सही है कि साधक अशरीरी नहीं होता, शरीर की अपेक्षाओं को वह गौण नहीं कर सकता; पर दैहिक अपेक्षाओं को लेकर वह मूढ़ नहीं हो सकता। उसका विवेक जागृत रहता है। वह अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखता है और आकांक्षाओं पर नियंत्रण रखता है।

कभी-कभी साधक के जीवन में भी स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति जाग सकती है। प्रश्न उठता है कि इन वृत्तियों का उत्स क्या है? कौन-सी अभिप्रेरणा इन्हें उभरने का अवसर देती है? मेरे अभिमत से इन तीन संस्कारों का उद्भव तीन आकारों से होता है। वे तीन आकार हैं- अहं, अश्रम और असंतोष। स्वच्छंदता की मनोवृत्ति वहीं सक्रिय होती है, जहां अहंकार का नाग फन उठाए रखता है। अहंवादी व्यक्ति स्वयं को सब कुछ समझता है। उसे अपने सामने अन्य सभी लोग बौने दिखाई देते हैं। ऐसी स्थिति में वह न तो किसी से मार्गदर्शन ले सकता है और न किसी के नियंत्रण में रह सकता है।

सुविधावाद का भाव वहां विकसित होता है जहां व्यक्ति श्रम से जी चुराता है, अपनी क्षमता का उपयोग नहीं करता और पुरुषार्थ में विश्वास नहीं करता। अश्रम का बीज ही आगे जाकर सुविधावाद के रूप में पल्लवित होता है। इस दृष्टि से साधना के साथ श्रमशीलता की युति आवश्यक है। संग्रह वृत्ति का बीज है असंतोष। जिस व्यक्ति को पदार्थ में संतोष नहीं होता, वह संग्रह करने की बात सोचता है। जिस समय जैसा पदार्थ उपलब्ध होगा, उसी से आवश्यकता की पूर्ति हो जाएगी- यह विधायक चिंतन असंतोष की जड़ को काट सकता है और संग्रह की मनोवृत्ति को बदल सकता है। साधना की सफलता स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति में नहीं है।

# फास्ट फूड और मोबाइल की गिरफ्त में बचपन, डायबिटीज का बढ़ता खतरा



सनत जैन



भारत में डायबिटीज की बीमारी केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं रह गई है। बच्चों और युवाओं में भी तेजी से बढ़ते मधुमेह के मामले समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। कभी जिस उम्र में बच्चे खेल के मैदानों में दौड़ते-कूदते थे, आज उसी उम्र में वे मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम की दुनिया में घंटों व्यस्त रहते हैं। दूसरी ओर खानपान की बदलती आदतों ने इस समस्या को और भी गंभीर बना दिया है। पिछले दो-तीन दशकों में भारतीय परिवारों की जीवनशैली में बड़ा बदलाव आया है। संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है। परिवारों में एक या दो बच्चे होने के कारण माता-पिता उनकी हर जिद पूरी करने की कोशिश करते हैं। बच्चों की जिद के सामने फास्ट फूड, पिज्जा, बर्गर, चाउमीन, फ्रेंच फ्राइज, पैकेज्ड स्नैक्स और मीठे पेय पदार्थ आसानी से उपलब्ध करा दिए जाते हैं। धीरे-धीरे यह भोजन बच्चों की पसंद ही नहीं, बल्कि उनकी रोजमर्रा की आदत बन जाता है। फास्ट फूड में अधिक मात्रा में नमक, चीनी, अस्वास्थ्यकर वसा और कैलोरी होती हैं। इनका नियमित सेवन मोटापा, इंसुलिन प्रतिरोध और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा बढ़ रहा है। बच्चों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है।

बचपन में विकसित हुई गलत खानपान की आदत के कारण अब कम उम्र में ही शुगर की बीमारी देखने को मिल रही है। जो जीवनभर उनका पीछा नहीं छोड़ेगी। दूसरी बड़ी समस्या शारीरिक गतिविधियों का लगातार कम होना है। पहले बच्चे स्कूल से लौटने के बाद मैदानों में क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो और दूसरे खेल खेलते थे। आज उनका अधिकांश समय मोबाइल फोन, इंटरनेट, सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम में बीत रहा है। शारीरिक श्रम, पैदल चलना, साइकिल चलाना और व्यायाम जीवनशैली से गायब होते जा रहे हैं। मोबाइल फोन और फास्ट फूड दोनों बच्चों और युवाओं के लिए आकर्षण और आदत का ऐसा चक्र बना रहे हैं, जिससे बाहर निकलना उनके लिए कठिन होता जा रहा है। मोबाइल नहीं मिलने पर बच्चों का चिड़चिड़ापन और आक्रामक व्यवहार भी अभिभावकों के लिए चिंता का विषय बन गया है। अनियंत्रित स्क्रीन का इस्तेमाल और अस्वास्थ्यकर खानपान के दुष्परिणामों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। डायबिटीज केवल खानपान और व्यायाम की कमी से ही नहीं होती। कभी-कभी इसके आनुवंशिक कारण, पारिवारिक इतिहास, नींद की कमी, मोटापा और अन्य स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियां भी इसके जोखिम को प्रभावित करती हैं। टाइप-1 डायबिटीज बच्चों में भी हो सकती है। जो खानपान या मोटापे से नहीं होती। इसलिए बीमारी के सभी स्वरूपों को समझना जरूरी है।

इंटरनेशनल डायबिटीज डे के इस अवसर पर यह संकल्प लेना होगा, कि बच्चों को केवल महंगे स्कूल, मोबाइल और आधुनिक सुविधाएं देना ही अभिभावकों की जिम्मेदारी नहीं है। उन्हें स्वस्थ शरीर और स्वस्थ जीवनशैली देना भी उतना ही आवश्यक है। घर में पौष्टिक भोजन, फल, सब्जियां और पारंपरिक खानपान को प्राथमिकता मिले। फास्ट फूड को रोजमर्रा के भोजन का हिस्सा बनाने से बचें। बच्चों को प्रतिदिन कम से कम एक घंटा खेलकूद और शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करें। स्कूलों में खेल के मैदान, शारीरिक शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। माता-पिता को भी बच्चों के साथ पैदल चलना, खेलना और व्यायाम करना चाहिए। जिससे बच्चों की भी आदत पड़ेगी। मां-बाप का भी स्वास्थ्य ठीक रहेगा। सवाल यह है कि हम अपने बच्चों को मोबाइल की दुनिया में व्यस्त रखकर उनका बचपन छीन रहे हैं, या उन्हें स्वस्थ भविष्य देने की तैयारी कर रहे हैं? डायबिटीज से बचाव की शुरुआत अस्पताल से नहीं, बल्कि घर की रसोई, भोजन की थाली और खेल के मैदान से होनी चाहिए। आज की छोटी-सी सावधानी आने वाली पीढ़ी को बड़ी बीमारी से बचा सकती है। उनका बेहतर करियर भी बना सकती है। शरीर स्वस्थ रहेगा तो बाकी सभी चीजें ठीक-ठाक रहेंगी।

# भारत के आर्थिक विकास में राज्यों को बढ़ानी होगी अपनी हिस्सेदारी



प्रहलाद सबनानी

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के समस्त राज्यों को देश के आर्थिक विकास में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी। विशेष रूप से उन राज्यों को, जिनकी आर्थिक विकास दर देश की औसत आर्थिक विकास दर से नीचे है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए औसतन 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की आर्थिक विकास दर हासिल करना आवश्यक है।

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को 'बीमारु' राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे। साथ ही, इन राज्यों की आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से बहुत कम थी जिससे इन राज्यों की प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम थी।

वर्ष 2000-01 में उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कुल योगदान 22 प्रतिशत था जो वर्ष 2034-24 में घटकर 21 प्रतिशत हो गया। पिछले, लगभग 25 वर्षों के दौरान देश के इन चारों बड़े राज्यों का देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग उसी स्तर पर बना रहा है, जो एक चिन्तनीय विषय होना चाहिए। यदि देश के सबसे बड़े राज्यों का देश के आर्थिक विकास में योगदान नहीं बढ़ेगा तो भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में किस प्रकार शामिल हो सकता है। अतः उक्त बड़े चारों राज्यों को अपने आर्थिक विकास को गति देना अब एक आवश्यक आवश्यकता बन गया है।

वर्ष 2024-25 के प्रति व्यक्ति आय (GSDP) के आंकड़ों पर यदि नजर डालें तो ध्यान में आता है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय का स्तर 234,859 रुपए प्रतिवर्ष था। जबकि बिहार में प्रति व्यक्ति आय 76,000 रुपए प्रतिवर्ष थी, उत्तर प्रदेश में यह 126,304 रुपए थी, मध्य प्रदेश में 170,320 रुपए थी एवं राजस्थान में 206,440 रुपए थी। भारत में प्रति व्यक्ति आय बिहार में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में तीन गुणा अधिक है। जबकि उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय लगभग दोगुनी है। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है। पूरे भारत में बेरोजगारी की दर 5.1 प्रतिशत है जबकि, राजस्थान में 7.7 प्रतिशत एवं बिहार में 7.3 प्रतिशत है। विशेष रूप से बिहार एवं उत्तर प्रदेश से रोजगार पाने के उद्देश्य से नागरिकों का देश के अन्य प्रदेशों में पलायन 37 प्रतिशत है। अर्थात, पूरे देश में एक राज्य से दूसरे राज्यों में होने वाले नागरिकों के पलायन का 37 प्रतिशत हिस्सा केवल बिहार एवं उत्तर प्रदेश का होता है। क्योंकि, इन राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो रहे हैं एवं इन प्रदेशों के नागरिक मजबूरी में अन्य राज्यों को पलायन करते हैं ताकि उन्हें अन्य राज्यों में रोजगार प्राप्त हो सके। उक्त कारणों के चलते ही, उक्त चारो राज्यों को 'बीमारु' राज्यों की संज्ञा दी गई थी। परंतु, हाल ही के समय में इन राज्यों में, विशेष रूप से, आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। उक्त चारों राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान, भारत में कृषि के औसत योगदान की तुलना में, बहुत अधिक है। अर्थात इन राज्यों में उद्योगों का विकास नहीं हो पाया है। मध्यप्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 47 प्रतिशत है, जबकि उद्योग क्षेत्र का योगदान 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 33 प्रतिशत है। प्रदेश की अधिकतम आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास करती है एवं अपने रोजगार के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। अधिक आबादी के कृषि क्षेत्र पर निर्भर होने के चलते प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय भी कम हो जाती है। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के विकसित नहीं होने के चलते इन क्षेत्रों में रोजगार के कम अवसर निर्मित होते हैं एवं मजबूरी में प्रदेश की अधिकतम जनसंख्या को कृषि क्षेत्र पर निर्भर होना पड़ता है अथवा रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों को पलायन करना होता है। इसी प्रकार, राजस्थान में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 31 प्रतिशत हिस्सा कृषि क्षेत्र से आता है, 26 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 43 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। उत्तर प्रदेश के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 28 प्रतिशत कृषि क्षेत्र, 28 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र एवं 44 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। बिहार में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 25 प्रतिशत कृषि क्षेत्र से, 18 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 57 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। जबकि, भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 16 से 18 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान लगभग 18 से 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान लगभग 62 से 64 प्रतिशत है।

हाल ही के समय में, उक्त चारों राज्यों में औद्योगिक विकास के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे उत्तर प्रदेश ने मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है। मध्य प्रदेश, ऑटोमोबाईल उत्पादन के क्षेत्र में एक हब के रूप में विकसित हो चुका है। इंदौर के आसपास विकसित किए गए ऑटोमोबाईल हब में 10 से अधिक चार पहिया उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं एवं 200 से अधिक ऑटो कम्पोनेंट का उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं। बिहार शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल माना जाता है एवं मखाना उत्पादन के क्षेत्र में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिहार ने गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या को बहुत बड़ी मात्रा में तेजी से कम करने में सफलता प्राप्त कर ली है। राजस्थान भी 10 वर्ष पूर्व ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या को कम करने में सफल रहा है। सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज उत्तर प्रदेश, देश में तीसरे स्थान पर आ गया है। राजस्थान 6ठे स्थान पर, मध्य प्रदेश 10वें स्थान पर एवं बिहार 14वें स्थान पर आ गए हैं।

हाल ही के समय में उक्त चारों राज्यों में आर्थिक विकास ने कुछ गति जरूर पकड़ी है परंतु यह पर्याप्त नहीं है क्योंकि इन चारों राज्यों की तुलना में गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली आदि राज्य तुलनात्मक रूप से बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से औद्योगिक विकास के क्षेत्र में मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं बिहार को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उद्योग जगत के लिए मित्रवत नीतियों को बनाकर औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को इन राज्यों को बढ़ावा देना होगा, ताकि इन राज्यों में कृषि के क्षेत्र पर दबाव कम हो एवं उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों का योगदान न केवल सकल घरेलू उत्पाद में बल्कि रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में भी बढ़े।

आज, उक्त चारों राज्य ÷बीमारु÷ राज्य की श्रेणी से तो बाहर निकल आए हैं, परंतु भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु अपने योगदान को बढ़ाने के लिए इन राज्यों को विशेष प्रयास करने होंगे। इन राज्यों के नागरिकों को आगे आने वाले कुछ वर्षों तक केवल अपने प्रदेश के आर्थिक विकास पर ही ध्यान देने की आवश्यकता है। इन राज्यों में विभिन्न समाजों को विशेष प्रयास करते हुए, प्रदेश में किसी भी प्रकार का आंदोलन नहीं होने देना चाहिए। दरअसल, भारत आज विकास के उस चक्र में पहुंच गया है, जहां किसी भी प्रकार का आंदोलन देश के आर्थिक विकास की गति को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकता है। अतः समाज की सज्जन शक्ति को इस ओर विशेष ध्यान देकर समस्त समाज के नागरिकों को अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत करते हुए प्रदेश में शांति स्थापित करने के प्रयास तेज करने की आवश्यकता है। प्रदेश की सरकारें तो आर्थिक नीतियों को लागू करने के प्रयास कर ही रही हैं परंतु, समाज को भी संगठित होकर अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करने की महती आवश्यकता है। प्रदेश का आर्थिक विकास की गति को बढ़ाना, अर्थात मां भारती को पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ करने की ओर एक कदम बढ़ाने का प्रयास माना जाना चाहिए। आज उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात द्वारा अपने प्रदेश की अर्थव्यवस्था के आकार को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर ले जाने के भरपूर प्रयास किया जा रहे हैं। इसी प्रकार के प्रयास, मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं बिहार राज्यों द्वारा भी किए जाने चाहिए, ताकि शीघ्र ही भारत की अर्थव्यवस्था के आकार को 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के ऊपर लाया जा सके एवं भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया जा सके।

(सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## ग्रीन एसएम चेन्नई और बेंगलुरु में शुरू होगी इलेक्ट्रिक कैब सेवा

**नई दिल्ली ।**

इलेक्ट्रिक कैब सेवा प्रदाता कंपनी ग्रीन एसएम अपनी सेवाओं का विस्तार करने जा रही है। फिलहाल दिल्ली-एनसीआर और हैदराबाद में सक्रिय यह कंपनी अब चेन्नई और बेंगलुरु के बाजारों में भी प्रवेश करेगी। कंपनी का लक्ष्य इन शहरों में किफायती और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन समाधान प्रदान करना तथा हजारों स्थानीय लोगों के लिए आय के अवसर सृजित करना है। ग्रीन एसएम ने बताया कि इस विस्तार का उद्देश्य अधिक से अधिक ग्राहकों को सस्ती और पूरी तरह इलेक्ट्रिक परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराना है। कंपनी को दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में संबंधित राज्य के एग्रीगेटर नियमों के तहत लाइसेंस मिल चुके हैं। ग्रीन एसएम इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रोहित शर्मा ने इस पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली-एनसीआर में मिली सफलता के बाद हरित परिवहन के लाभ देश के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का यह एक और महत्वपूर्ण अवसर है। इस बीच, कंपनी ने उन खबरों को गलत और निराधार बताया है, जिनमें दावा किया गया था कि वह प्रति किलोमीटर आठ रुपये किराया लेती है। ग्रीन एसएम ने स्पष्ट किया है कि किराये की सटीक जानकारी उसकी आधिकारिक वेबसाइट और अन्य संचार माध्यमों पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

## आरबीआई ने वन मोबिक्विक सिस्टम्स पर नौ लाख का जुर्माना लगाया

**मुंबई ।**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वन मोबिक्विक सिस्टम्स पर नियामकीय मानदंडों का उल्लंघन किए जाने के लिए नौ लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि आरबीआई ने कंपनी के जून, 2025 से मार्च, 2026 तक के कामकाज के संदर्भ में वैधानिक निरीक्षण किया था। आरबीआई के निर्देशों का पालन नहीं किए जाने संबंधी निगरानी निष्कर्षों और इस बारे में हुए पत्राचार के आधार पर वन मोबिक्विक सिस्टम्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। कंपनी के जवाब पर विचार करने के बाद आरबीआई ने पाया कि वन मोबिक्विक सिस्टम्स ने कुछ प्रीपेड भुगतान साधन (पीपीआई) धारकों को निर्धारित सीमा से अधिक राशि ऐसे लाभार्थियों को हस्तांतरित करने की अनुमति दी थी, जिनका पहले से पंजीकरण नहीं था। आरबीआई ने कहा कि कंपनी निर्धारित समयसीमा के भीतर कुछ धोखाधड़ी के मामलों की जानकारी देने में भी विफल रही। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि यह जुर्माना नियामकीय अनुपालन में कमियों के आधार पर लगाया गया है। इसका उद्देश्य कंपनी और उसके ग्राहकों के बीच हुए किसी लेनदेन या समझौते की वैधता पर फैसला देना नहीं है।

## आयशर मोटर्स का मुनाफा 15 प्रतिशत बढ़कर 1,573 करोड़ पहुंचा

**नई दिल्ली ।**

वाहन विनिर्माता आयशर मोटर्स का चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में मुनाफा सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 1,573 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पिछले वित्तवर्ष की समान तिमाही में उसका मुनाफा 1,369 करोड़ रुपये रहा था। जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी का परिचालन राजस्व 20 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 7,422 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 6,172 करोड़ रुपये था। आलोच्य तिमाही में कंपनी का एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय) 16 प्रतिशत बढ़कर 1,760 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में यह 1,512 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि परिचालन प्रदर्शन बेहतर रहने के साथ रॉयल एनफील्ड और वाणिज्यिक वाहन खंड की बिक्री में मजबूत वृद्धि से मुनाफा बढ़ा।

## टीवीएस मोटर ने हलदर को भारत में दोपहिया कारोबार का प्रमुख बनाया

**नई दिल्ली ।**

चेन्नई स्थित प्रमुख वाहन निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी ने भारत में अपने दोपहिया कारोबार के शीर्ष नेतृत्व में बदलाव की घोषणा की है। कंपनी ने अनिरुद्ध हलदर को देश में अपने दोपहिया कारोबार का नया प्रमुख नियुक्त किया है। यह नियुक्ति गौरव गुप्ता के इस्तीफे के बाद हुई है, जिन्होंने बाहरी अवसर तलाशने के लिए कंपनी छोड़ दी है। गुप्ता का इस्तीफा 24 दिसंबर से प्रभावी होगा। हलदर इससे पहले कम्यूटर मोबिलिटी के कारोबार प्रमुख और कॉरपोरेट ब्रांड एवं मीडिया के प्रमुख की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उन्हें पदोन्नत कर वरिष्ठ उपाध्यक्ष (पीपल मोबिलिटी-भारत दोपहिया कारोबार) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में यह जानकारी दी।

# उछाल और गिरावट के बीच झूलता रहा बाजार

### जोरदार तेजी के बाद हावी हुई मुनाफावसूली, हफ्ते भर दिखा उतार-चढ़ाव

**भारतीय शेयर बाजार- दिवाली के बाद शानदार तेजी, निफ्टी 25,000 पार, सप्ताह के अंत में मुनाफावसूली**

**मुंबई ।**

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने दिवाली के उत्साह के साथ-साथ शानदार तेजी दर्ज की। विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह और उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों के दम पर प्रमुख सूचकांकों ने नए रिकॉर्ड उच्च स्तर छुए, जिसमें निफ्टी ने पहली बार 25,000 का आंकड़ा पार किया। हालांकि, सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन मुनाफावसूली हावी रही, जिसने बाजार की बढ़त को कुछ हद तक कम किया। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को हल्की गिरावट के साथ हुई, लेकिन बाजार ने जल्द ही खुद को संभाला। पिछले हफ्ते की शानदार तेजी और एफआईआई की आक्रामक खरीदारी, बेहतर वैल्यूएशन, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और दूसरी तिमाही के मजबूत नतीजों जैसी सकारात्मक खबरों ने निवेशकों का मनोबल बढ़ाया। बीएसई सेंसेक्स 107.25 अंक की मामूली बढ़त के साथ 81,106.65 पर और निफ्टी 58.25 अंक चढ़कर 25,044.65 पर बंद हुआ। मंगलवार को दिवाली-बालीप्रतिपदा के उपलक्ष्य में बाजार बंद रहा। बुधवार को बाजार ने जबरदस्त उछाल देखा। विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह, उम्मीद से बेहतर दूसरी तिमाही के परिणामों और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने बाजार को मजबूत आधार दिया। सेंसेक्स 1,097.33 अंक चढ़कर 82,186.92 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 274.30 अंक की बढ़त के साथ 25,317.55 पर कारोबार कर रहा था।




## एफएसएसएआई का दूध-डेयरी उत्पादों के लिए नया लोगो

**नीला चौकोर निशान बताएगा असली डेयरी प्रोडक्ट, 1 जुलाई 2028 से होगा लागू**

**नई दिल्ली ।**

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने दूध और डेयरी उत्पादों की शुद्धता व पहचान सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब जल्द ही आपको अपने पसंदीदा दूध, दही और पनीर जैसे उत्पादों के पैकेट पर एक खास नया लोगो दिखाई देगा, जो ग्राहकों को असली डेयरी उत्पाद पहचानने में मदद करेगा।

एफएसएसएआई द्वारा तय किए गए इस नए समान लोगो में नीले रंग का एक चौकोर निशान होगा, जिसके अंदर सफेद रंग की बूंद का निशान बना होगा। देश की सभी डेयरी कंपनियों को अपने दूध और दूध से बने प्रोडक्ट्स के पैकेट पर एक जैसा ही यह निशान लगाना अनिवार्य होगा। यह नया लोगो ग्राहकों को बाजार में असली दूध और दूध से बने उत्पादों को नकली से अलग करने में सहायक होगा। जिस तरह खाने-पीने की चीजों पर शाकाहारी होने का संकेत हरा निशान और मांसाहारी होने का संकेत लाल निशान देता है, ठीक उसी तर्ज पर यह नीला चौकोर निशान दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स की स्पष्ट पहचान कराएगा। एफएसएसएआई ने इस नए नियम को लागू करने की तारीख भी निर्धारित कर दी है। 1 जुलाई 2028 से सभी डेयरी निर्माण कंपनियों को अपने उत्पादों की पैकेजिंग पर इस नीले-सफेद रंग के लोगो को लगाना अनिवार्य होगा।

## भारत एक ट्रिलियन डॉलर निर्यात लक्ष्य की ओर अग्रसर- गोयल

**भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद मजबूत प्रदर्शन**

**नई दिल्ली ।**

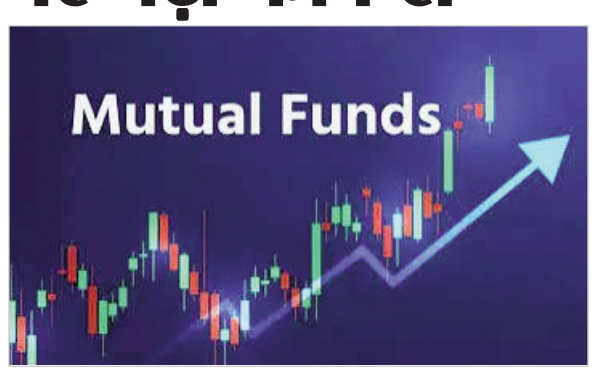


केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने घोषणा की कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और वैश्विक मंदी के बावजूद भारत चालू वित्त वर्ष में 1 लाख करोड़ डॉलर के महत्वाकांक्षी निर्यात लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में सही रास्ते पर है। उन्होंने देश के मजबूत व्यापार प्रदर्शन पर गहरा भरोसा व्यक्त किया। भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए गोयल ने बताया कि अक्टूबर माह में भारत ने लगभग 90 अरब डॉलर का अब तक का सबसे अधिक निर्यात दर्ज किया। इसमें लगभग 50 अरब डॉलर का वस्तु निर्यात और 40 अरब डॉलर का सेवा निर्यात शामिल है। मंत्री ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में देश का कुल निर्यात 570 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। गोयल ने विश्वास व्यक्त किया कि दो युद्धों, वैश्विक अस्थिरता और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की धीमी वृद्धि (3.5 फीसदी) के बावजूद, चालू वित्त वर्ष में भारत का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार 15-16 फीसदी की प्रभावशाली दर से बढ़ेगा। उन्होंने नई दिल्ली के भारत मंडपम में 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का उद्घाटन किया।

# म्यूचुअल फंड्स का नया दांव, हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी पर बढ़ा फोकस

**नई दिल्ली।**

अक्टूबर महीने में म्यूचुअल फंड्स ने अपने निवेश पोर्टफोलियो में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। मोतीलाल ओसवाल की फंड फोलियो रिपोर्ट के अनुसार, फंड मैनेजर्स ने हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी सेक्टर के शेयरों पर अपना दांव बढ़ाया है। हेल्थकेयर सेक्टर में लगातार छठे महीने निवेश बढ़ने के साथ ही यह म्यूचुअल फंड्स के कुल पोर्टफोलियो में दूसरा सबसे बड़ा सेक्टर बन गया है, जो फंड्स की बदलती निवेश रणनीति को दर्शाता है। अक्टूबर में हेल्थकेयर शेयरों में म्यूचुअल फंड्स का आवंटन मासिक आधार पर 0.20 फीसदी और सालाना आधार पर 1.40 फीसदी बढ़कर 8.8 फीसदी हो गया। टेक्नोलॉजी सेक्टर में भी फंड्स की दिलचस्पी बढ़ी, जहां आवंटन मासिक आधार पर 0.80 फीसदी बढ़कर 6.8 फीसदी हो गया, जो सात महीने का उच्चतम स्तर है। रिपोर्ट बताती है कि टेलीकॉम, निजी बैंकों और कर्ज नहीं देने वाली एनबीएफसी कंपनियों के शेयरों में भी निवेश बढ़ा है। दूसरी ओर, मेटल, वाहन, तेल एवं गैस, पूंजीगत सामान, खुदरा और बीमा जैसे सेक्टरों में म्यूचुअल फंड्स का आवंटन घटा है। मेटल सेक्टर में सितंबर के 62 महीने के उच्चतम स्तर से 0.30 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जिससे आवंटन 3.5 फीसदी रह गया। वाहन सेक्टर में भी लगातार दूसरे महीने निवेश का हिस्सा कम हुआ, जो मासिक आधार पर 0.20 फीसदी घटकर 8.4 फीसदी पर आ गया। बीएसई 200 इंडेक्स के सापेक्ष सेक्टरों के विश्लेषण में, हेल्थकेयर और कर्ज नहीं देने वाली एनबीएफसी कंपनियां म्यूचुअल फंड्स की सबसे पसंदीदा सेक्टर बनीं, जहाँ 16-16 फंड्स ने बेंचमार्क से ज्यादा निवेश किया। ई-कॉमर्स, पूंजीगत सामान और रसायन सेक्टर में भी फंड्स की दिलचस्पी दिखी। इसके विपरीत, तेल एवं गैस सेक्टर में 18 फंड्स ने बेंचमार्क से कम निवेश किया, जबकि निजी बैंक, सरकारी बैंक, टेक्नोलॉजी और उपभोक्ता सेक्टर भी कम पसंदीदा रहे। यह रुझान बताता है कि फंड मैनेजर्स जोखिम कम करने और भविष्य के विकास की संभावनाओं वाले सेक्टरों की ओर बढ़ रहे हैं।




# भारत का व्यापार घाटा 12 महीने के उच्चतम स्तर पर, निर्यात-आयात ने भी तोड़े रिकॉर्ड

### अक्टूबर में निर्यात 49.47 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा

**नई दिल्ली ।**

अक्टूबर माह में भारत का व्यापार घाटा पिछले 12 महीनों के उच्चतम स्तर 39.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह वृद्धि रिकॉर्ड वस्तुओं के आयात के कारण हुई, जो 89.35 अरब डॉलर रहा। हालांकि, इसी अवधि में भारत का निर्यात भी 49.47 अरब डॉलर के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 45 फीसदी की प्रभावशाली बढ़ोतरी दर्शाता है। इस परिदृश्य में, सेवा क्षेत्र ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए देश के समग्र व्यापार संतुलन में सकारात्मक योगदान दिया है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 39.88 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले 12 महीनों का सर्वाधिक स्तर है। इस दौरान वस्तुओं का आयात रिकॉर्ड 89.35 अरब डॉलर रहा, जबकि निर्यात में भी 45 फीसदी की वृद्धि के साथ यह 49.47 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। अधिकारियों के अनुसार, आयात में यह वृद्धि और बढ़ता व्यापार घाटा काफी हद तक मौसमी रुझान का हिस्सा हो सकता है, जैसा कि पिछले वर्ष भी अक्टूबर में देखा गया था, जब व्यापार घाटा 42.58 अरब डॉलर था। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) के दौरान, वस्तुओं का कुल निर्यात 22 फीसदी बढ़कर 309.06 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 16 फीसदी बढ़कर 527.21 अरब डॉलर हो गया। इस तरह, इस अवधि में देश का व्यापार घाटा 218.15 अरब डॉलर दर्ज किया गया। अच्छी खबर यह है कि सेवा क्षेत्र ने अक्टूबर में शानदार प्रदर्शन किया। अनुमानित आंकड़ों के मुताबिक, सेवा निर्यात 15 फीसदी बढ़कर 40.51 अरब डॉलर रहा, जबकि सेवा आयात 17 फीसदी बढ़कर 20.72 अरब डॉलर होने का अनुमान है। इसके परिणामस्वरूप, अक्टूबर में सेवाओं के व्यापार से भारत को लगभग 19.79 अरब डॉलर का अनुमानित अधिशेष प्राप्त हुआ।

## यस बैंक ने साइबर फ्रॉड की खबर को नकारा, कहा- सिस्टम सुरक्षित

**नई दिल्ली ।**

प्राइवेट सेक्टर के यस बैंक ने एक वित्तीय समाचार प्रकाशन की एक रिपोर्ट में किए गए साइबर फ्रॉड के दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। बैंक ने 3.4 मिलियन डॉलर (लगभग 32 करोड़ रुपये) के कथित नुकसान को निराधार बताया है, जोर देकर कहा कि उसके सिस्टम के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है और न ही उसे कोई वित्तीय क्षति हुई है। यस बैंक ने एक स्पष्टीकरण में कहा कि उसकी बैंकिंग प्रणाली पूरी तरह सुरक्षित है, किसी भी सरकारी खाते पर कोई असर नहीं पड़ा है और इस कथित घटना के कारण बैंक को कोई वित्तीय नुकसान नहीं हुआ है। बैंक ने रिपोर्ट के दावों को तथ्यात्मक रूप से गलत बताते हुए कहा कि यह असल स्थिति नहीं दिखाती। बैंक ने आगे कहा कि गलत जानकारी छपने से उसकी साख को नुकसान पहुंचा है और इससे उसके हितधारकों के बीच बेवजह चिंता पैदा हो सकती है। यस बैंक ने संबंधित मीडिया हाउस के सामने इस मामले को उठाया है, गलत तथ्यों की ओर इशारा किया है और रिपोर्ट वापस लेने की मांग की है। बैंक ने अपने बयान में बैंकिंग सुरक्षा, ऑपरेशनल इंटीग्रिटी और ग्राहकों के भरोसे के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

## हल्दीराम की 10 हजार करोड़ का आईपीओ लाने की योजना

**नागपुर ।** देश की मशहूर नमकीन और मिठाई निर्माता कंपनी हल्दीराम अब शेयर बाजार में कदम रखने की तैयारी में है। रिपोर्टों के अनुसार, कंपनी साल 2027 तक अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लांच करने की योजना बना रही है, जिसके माध्यम से करीब 10,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है। इस बड़े कदम से कंपनी को अपने कारोबार का विस्तार करने और नई पूंजी प्राप्त करने में मदद मिलेगी, जिससे वह अपनी बाजार स्थिति को और मजबूत कर सकेगी। इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए हल्दीराम ने प्रमुख सलाहकार फर्म ईवाई (ईवाई) को नियुक्त कर तैयारियां शुरू कर दी हैं। यह पहल दिल्ली के हल्दीराम स्नैक्स और नागपुर के हल्दीराम फूड्स इंटरनेशनल के एक साल से अधिक समय पहले हुए विलय के बाद सामने आई है, जिससे अब हल्दीराम स्नैक्स फूड कंपनी एक एकीकृत इकाई के रूप में काम कर रही है। कंपनी का लक्ष्य आईपीओ के जरिए 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का मूल्यांकन हासिल करना है, हालांकि इस संबंध में कंपनी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। आंतरिक तैयारियों को सुव्यवस्थित करने के लिए एक प्रोजेक्ट मैनेजमेंट ऑफिस (पीएमओ) टीम भी बनाई गई है, जो विभिन्न व्यावसायिक इकाइयों के बीच तालमेल और नियामक अनुपालन सुनिश्चित करेगी।

प्रस्तावित आईपीओ में नए शेयर जारी किए जाएंगे, जिससे कंपनी को विकास के लिए सीधी पूंजी मिलेगी। इसके साथ ही, मौजूदा शेयरधारक ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के माध्यम से अपनी कुछ हिस्सेदारी बेच सकते है। जिससे उन्हें निवेश भुनाने का मौका मिलेगा। शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद हल्दीराम का मुकाबला बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल और प्रताप स्नैक्स जैसी स्थापित कंपनियों से होगा।

## पेटीएम को आरबीआई से बड़ी राहत वॉलेट सेवा की वापसी की राह खुली, शेयर रिकॉर्ड स्तर पर

**मुंबई ।**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) को प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (पीपीआई) जारी करने और उनका संचालन करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण निर्णय में डिजिटल वॉलेट सर्विस भी शामिल है, जो लंबे समय से नियामक चुनौतियों का सामना कर रही कंपनी के लिए अहम उपलब्धि मानी जा रही है। इस खबर के बाद पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली और कारोबार के दौरान 1,960 का नया 52-वीक हाई छू लिया।

कंपनी ने 13 नवंबर 2026 को शेयर बाजार को बताया कि आरबीआई ने पीपीएसएल को भारत में प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट जारी करने और उनका संचालन करने के लिए इन-प्रिंसिपल ऑथराइजेशन दिया है। इसका सीधा अर्थ है कि कंपनी अब डिजिटल वॉलेट जैसी अपनी लोकप्रिय सेवाओं को फिर से शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है। हालांकि, यह मंजूरी कुछ शर्तों के साथ मिली है, जिसमें पीपीएसएल को आरबीआई के 27 अगस्त 2021 के प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट से जुड़े मास्टर निर्देशों और उनमें समय-समय पर होने वाले बदलावों का सख्ती से पालन करना होगा।

आरबीआई की मंजूरी की खबर का असर शेयर बाजार में तुरंत देखने को मिला। शुक्रवार को एनएससी पर पेटीएम का शेयर 1,920 पर खुला और दिन के कारोबार में 1,960 तक पहुंच गया। अंत में यह 1,939.90 पर बंद हुआ, जिसने कंपनी के पुराने लिस्टिंग प्राइस को भी पार कर लिया। यह तेजी निवेशकों का ध्यान एक बार फिर कंपनी की ओर खींचने में सफल रही है।

हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आरबीआई की सैद्धांतिक मंजूरी मिलने का मतलब यह नहीं है कि ग्राहक तुरंत पेटीएम वॉलेट का इस्तेमाल कर पाएंगे। कंपनी को पहले केंद्रीय बैंक से अंतिम मंजूरी हासिल करना होगा। इसके बाद ही पीपीएसएल वॉलेट और दूसरी पीपीआई सेवाएं शुरू कर सकेगी।

## सॉफ्टबैंक ने मीशो में 1,885 करोड़ के शेयर बेचे, दिग्गज निवेशकों ने लपका मौका

**जापानी दिग्गज ने 1.65 फीसदी हिस्सेदारी घटाई, अब बची 5.19 फीसदी**

**नई दिल्ली ।**

जापान की प्रमुख निवेश कंपनी सॉफ्टबैंक ग्रुप ने ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म मीशो में अपनी हिस्सेदारी एक बार फिर कम कर दी है। कंपनी ने मीशो के करीब 7.64 करोड़ शेयर बेचकर 1,885 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए हैं।

इस बड़े सौदे के बाद मीशो में सॉफ्टबैंक की हिस्सेदारी घटकर 5.19 फीसदी रह गई है, जो पहले 6.84 फीसदी थी। खास बात यह रही कि इस डील में घरेलू और विदेशी, दोनों तरह के कई बड़े निवेशकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जो मीशो के प्रति उनके बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर हुए ब्लॉक डील के आंकड़ों के अनुसार, सॉफ्टबैंक से जुड़ी इकाई एसवीएफ- 2 मीरकैट एलएलसी ने मीशो में 1.65 फीसदी हिस्सेदारी बेची। इन शेयरों की औसत कीमत 246.75 रुपये प्रति शेयर रही, जिससे कुल 1,885.17 करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ।

मीशो के इन बेचे गए शेयरों को खरीदने में फ्रांस की वित्तीय सेवा कंपनी सोसाइटी जनरल सबसे आगे रही, जिसने करीब 364.65 करोड़ रुपये में 1.47 करोड़ से अधिक शेयर खरीदे, जो मीशो की 0.32 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। घरेलू निवेशकों में मोतीलाल ओसवाल, एचडीएफसी, एडलवाइस और आदित्य बिड़ला सन लाइफ के म्यूचुअल फंडों के साथ-साथ बजाज लाइफ इंश्योरेंस ने भी बड़ी खरीदारी की। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मॉर्गन स्टेनली, फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट्स, बीएनपी पारिबा, गोल्डमैन सैक्स, घिसालो कैपिटल मैनेजमेंट, विलियम ब्लेयर इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट, टेक्सास म्युनिसिपल रिटायरमेंट सिस्टम, सिंगापुर सरकार और नॉर्वे के सरकारी निवेश कोष जैसे कई प्रतिष्ठित नामों ने इस सौदे में हिस्सा लिया।

# दालों की महंगाई पर केंद्र सरकार का वार- व्यापारियों को देना होगा साप्ताहिक स्टॉक का हिसाब

**नई दिल्ली ।**

देश में त्यौहारों का मौसम बीतने के बाद भी दालों की कीमतें कम न होने से चिंतित केंद्र सरकार ने महंगाई पर लगाम कसने और जमाखोरी रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब दाल कारोबार से जुड़े सभी व्यापारियों, आयातकों, मिलर्स, डीलरों, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को अपने पास मौजूद दालों के स्टॉक की जानकारी हर सप्ताह ऑनलाइन पोर्टल पर देनी होगी। केंद्र सरकार का मानना है कि इस पहल से बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी और कृत्रिम कमी पैदा करने वालों पर शिकंजा कसा जा सकेगा।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की सचिव निधि खरे ने हाल ही में बड़े कारोबारियों के साथ बैठक कर स्पष्ट किया कि त्यौहारों के बाद दालों की कीमतों में बढ़ोतरी का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि मंडियों में दालों के दाम घटने का फायदा आम उपभोक्ताओं तक भी पहुंचना चाहिए। दरअसल, केंद्र सरकार को आशंका है कि कुछ कारोबारी जमाखोरी और मुनाफाखोरी के जरिए कीमतों को कृत्रिम रूप से ऊंचा बनाए हुए हैं, जबकि मंडियों में कीमतें अपेक्षाकृत कम हुई हैं।

केंद्र सरकार के इन सख्त कदमों और बेहतर आपूर्ति स्थितियों के चलते आने वाले दिनों में दालों की कीमतों में गिरावट आने की उम्मीद है। खरीफ में उड़द और अन्य दालों की अच्छी बुवाई हुई है, वहीं रबी फसलों की बुवाई में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

नियमित आयात भी बाजार में दालों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर रहा है।

सिर्फ दालें ही नहीं, केंद्र सरकार ने चावल और चीनी जैसे अन्य आवश्यक खाद्य पदार्थों पर निगरानी बढ़ा दी है। हाल ही में, व्यापारियों और मिलर्स के लिए बासमती, गैर-बासमती चावल, टूटे चावल और धान का साप्ताहिक स्टॉक बताना भी अनिवार्य किया है।

वहीं, नए चीनी सीजन के दौरान डीलरों के लिए अधिकतम 1,000 क्विंटल या 15 दिन की खपत के बराबर स्टॉक रखने की सीमा निर्धारित की गई है। सरकार के इन व्यापक प्रयासों का उद्देश्य खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी रोकना और आम जनता को बढ़ती महंगाई से राहत दिलाना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# सूर्यकुमार ने की तूफानी वापसी, 60 रन की खेली ताबड़तोड़ पारी



**मुंबई (एजेंसी)।** टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट में धमाकेदार वापसी की है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 में मुंबई की कप्तानी करते हुए सूर्या ने हैदराबाद के खिलाफ महज 21 गेंदों में नाबाद 60 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस विस्फोटक बल्लेबाजी और मुशीर खान के अर्धशतक की बदौलत मुंबई ने 173 रनों का लक्ष्य महज 13.1 ओवर में हासिल कर लिया और मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम किया।

### 6 महीने बाद टी20 में सूर्यकुमार की वापसी

भारतीय टी20 टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने करीब छह महीने बाद प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट में वापसी करते हुए अपने पुराने अंदाज की झलक दिखाई। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 के पहले मुकाबले में मुंबई की कप्तानी की। हैदराबाद के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए सूर्या ने मैदान के चारों तरफ शानदार शॉट लगाए। उनकी पारी ने मुंबई की जीत को बेहद आसान बना दिया।

### सिर्फ 15 गेंदों में जड़ दी फिफ्टी

सूर्यकुमार यादव ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से हैदराबाद के गेंदबाजों को पूरी तरह दबाव में ला दिया। उन्होंने महज 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जो उनके टी20 करियर की 66वीं फिफ्टी रही। सूर्या ने 21 गेंदों में नाबाद 60 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। उनकी इस पारी ने मुकाबले का रुख पूरी तरह मुंबई के पक्ष में कर दिया।

### हैदराबाद की टीम 172 रन पर सिमटी

इससे पहले मुंबई के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। हैदराबाद की शुरुआत अच्छी रही और अमन राव पेराला ने पहले ओवर में शार्दुल ठाकुर के खिलाफ तीन चौके लगाए। हालांकि ठाकुर ने अपने दूसरे ओवर में पेराला को आउट कर बदला चुकता किया। पावरप्ले के छह ओवर में हैदराबाद ने दो विकेट के नुकसान पर 54 रन बना लिए थे।

### मुंबई ने 41 गेंद शेष रहते दर्ज की जीत

हैदराबाद के 172 रनों के जवाब में मुंबई ने 13.1 ओवर में तीन विकेट खोकर 173 रन बना लिए। इस तरह मुंबई ने 41 गेंद शेष रहते मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम किया। सूर्यकुमार यादव और मुशीर खान की अर्धशतकीय पारियां टीम की जीत की सबसे बड़ी वजह रहीं। मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 के अभियान की शुरुआत शानदार अंदाज में की।

**सैंडपेपर विवाद**

## वसीम अकरम बोले- निशान खरोंच से बिल्कुल अलग

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में 2018 के केपटाउन टेस्ट से जुड़ा सैंडपेपर विवाद एक बार फिर चर्चा में है। उस्मान ख्वाजा के बयान के बाद इस मामले ने नया मोड़ ले लिया है। अब पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के उस दावे पर सवाल उठाए हैं, जिसमें उन्होंने गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी होने से इनकार किया था। अकरम का कहना है कि एक अनुभवी गेंदबाज गेंद पर सैंडपेपर से किए गए बदलाव को तुरंत पहचान सकता है।

### विवाद पर वसीम अकरम ने दी प्रतिक्रिया

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने एक बार फिर सुर्खियों में आए सैंडपेपर विवाद पर अपनी राय रखी है। उन्होंने सवाल उठाया कि 2018 के केपटाउन टेस्ट में गेंदबाजी इकाई का अहम हिस्सा रहे पैट कमिंस को गेंद से छेड़छाड़ की जानकारी कैसे नहीं हो सकती थी। अकरम के मुताबिक, गेंद की स्थिति में इस तरह का बदलाव अनुभवी गेंदबाजों की नजर से छिपना मुश्किल है।



### एक गेंदबाज के तौर पर मुझे तुरंत पता चल जाएगा कि कुछ गड़बड़ है

अकरम ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में कहा, मैंने पैट कमिंस को यह कहते हुए देखा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। वह मेरे बहुत करीबी दोस्त, शानदार क्रिकेटर और विश्व क्रिकेट के बेहतरीन नेताओं में से एक हैं। इसलिए हो सकता है कि उस समय पूरी टीम को पता न हो कि क्या हो रहा था। यह मेरी राय है, जो सही भी हो सकती है और गलत भी।

### गेंद रगड़कर खुद अंतर देख सकते हैं

रिवर्स स्विंग के विशेषज्ञ माने जाने वाले अकरम ने क्रिकेट प्रशंसकों को भी इस अंतर को समझने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, अगर आप क्रिकेट प्रेमी हैं और इस अंतर को देखना चाहते हैं, तो एक थोड़ी पुरानी क्रिकेट गेंद और सैंडपेपर का टुकड़ा लीजिए। उसे गेंद पर रगड़कर देखिए, आपको समझ आ जाएगा कि दोनों तरह के निशान बिल्कुल अलग होते हैं।

### मैं किसी का पक्ष नहीं ले रहा हूं

वसीम अकरम ने स्पष्ट किया कि वह इस विवाद में किसी एक पक्ष का समर्थन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने कहा, मैं किसी का पक्ष नहीं ले रहा हूं। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मैदान के अंदर और बाहर अपने सीधे रवैये, कड़े प्रतिस्पर्धी स्वभाव और सबसे महत्वपूर्ण ईमानदारी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि आठ साल पहले भी इस पूरे मामले के कारण ऑस्ट्रेलिया एक मुश्किल दौर से गुजरा था और अब एक बार फिर पूरा देश तनाव में है। उम्मीद है कि इस मामले का जल्द समाधान निकल जाएगा।

### ख्वाजा के बयान पर भड़के थे पैट कमिंस

यह विवाद उस्मान ख्वाजा के हालिया बयान के बाद फिर से चर्चा में आया। ख्वाजा ने दावा किया था कि केपटाउन टेस्ट के दौरान पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को गेंद पर सैंडपेपर इस्तेमाल किए जाने की जानकारी थी। हालांकि ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया।

## तेज गेंदबाज बरार न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज के लिए चुना गया

- कुलदीप बाहर, पंत भी टीम से जुड़े, 19 नवंबर से पहला टेस्ट

नईदिल्ली(एजेंसी)। तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। वहीं, स्पिनर कुलदीप यादव को टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। वे अब भारत में घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। बीसीसीआई ने शनिवार



को टीम में बदलाव की जानकारी दी। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी वेलिंगटन में टीम से जुड़ गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला मुकाबला 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होगा। शुभमन गिल टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि केएल राहुल उपकप्तान होंगे। गुरनूर बरार न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी वनडे सीरीज में दोनों टीमों की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 3 मैचों में 9 विकेट लिए हैं। गुरनूर इस साल वनडे में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

# टी-20 क्रिकेट के सबसे युवा कप्तान बने वैभव, बनाया विश्व रिकॉर्ड

**इंदौर (एजेंसी)।** भारत के घरेलू टी-20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का नया सीजन आज से शुरू हो गया। शनिवार को 19 मैच हो रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी ने टी-20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे युवा कप्तान होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है।वहीं, भारतीय टीम से बाहर चल रहे पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सिर्फ 15 बॉल पर हाफ सेंचुरी जमा दी है। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में बिहार और सौराष्ट्र के बीच मैच खेला गया। वैभव 15 साल और 232 दिन की उम्र में बिहार की कप्तानी कर रहे हैं। इसके साथ ही वे इस फॉर्मेट में अब तक के सबसे युवा कप्तान बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड क्रोएशिया के जैक वुकुसिक के नाम था। उन्होंने 7 अगस्त 2025 को साइप्रस के खिलाफ 17 साल और 311 दिन की उम्र में अपनी टीम की कप्तानी की थी।

### सौराष्ट्र ने बिहार को 5 विकेट से हराया

सौराष्ट्र ने बिहार को 5 विकेट से हरा दिया। बिहार की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 137 रन ही बना सकी। सूर्यवंशी ने 12 गेंदों पर 18 रन बनाए। सौराष्ट्र ने 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

### चंडीगढ़ ने बड़ौदा को 3 विकेट से हराया

चंडीगढ़ ने बड़ौदा को 3 विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ौदा ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 148 रन बनाए। कप्तान क्रुणाल पंड्या 40 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि शिवालिक शर्मा ने 45 रन की पारी खेली।चंडीगढ़ की ओर से भगमेंदर लाथर ने 2 विकेट लिए। संदीप शर्मा, चिरागवीर धिंडसा और शिवम भांबरी को 1-1 विकेट मिला।

### 15 साल 232 दिन की उम्र में बिहार की कमान

## 38 टीमें खेलेंगी घरेलू टी-20 टूर्नामेंट



सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी शुरू हो गई है। इसमें 38 टीमें हिस्सा ले रही है। 32 टीमें एलीट और 6 टीमें प्लेट डिवीजन में खेलेंगी। टूर्नामेंट का फाइनल 6 दिसंबर को होगा।इस बार 15 साल के वैभव सूर्यवंशी बिहार की कप्तानी करेंगे। सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन, मोहम्मद शमी और ईशांत शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी खेलेंगे। पिछली बार की चैंपियन झारखंड खिताब बचाने उतरेगी।सूर्यकुमार यादव मुंबई के कप्तान बनाए गए हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता था।सूर्यकुमार यादव मुंबई के कप्तान बनाए गए हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता था।

### 38 टीमें दो डिवीजन में खेलेंगी

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी भारत का घरेलू टी-20 टूर्नामेंट है। इसमें रणजी ट्रॉफी खेलने वाली टीमें हिस्सा लेती हैं। इस बार 38 टीमों को दो डिवीजन में बांटा गया है।एलीट डिवीजन में 32 टीमें होंगी। इन्हें चार ग्रुप में रखा गया है और हर ग्रुप में 8 टीमें होंगी। हर टीम अपने ग्रुप की बाकी 7 टीमों से खेलेगी। चारों ग्रुप की टॉप 2-2 टीमें सुपर लीग में पहुंचेंगी।सुपर लीग में 8 टीमों को चार-चार के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। हर टीम 3 मैच खेलेगी। दोनों ग्रुप की टॉप टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। एलीट डिवीजन का फाइनल 6 दिसंबर को होगा।प्लेट डिवीजन में 6 टीमें हिस्सा लेंगी। सभी टीमें एक-दूसरे से खेलेंगी और हर टीम के 5 लीग मैच होंगे। पॉइंट्स टेबल की शीर्ष 2 टीमें 24 नवंबर को फाइनल खेलेंगी।

**पुडुचेरी ने महाराष्ट्र को 15 रन से हराया**-पुडुचेरी ने महाराष्ट्र को 15 रन से हराया।पहले बल्लेबाजी करते हुए पुडुचेरी ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 204 रन बनाए। भानु आनंद और परमीश्वरन शिवरामन ने 46-46 रन की पारी खेली, जबकि पुगाझेंडी आकाश ने 14 गेंदों पर 42 रन बनाए।

**अच्छी खबर**

## दीप्ति दूसरी बार आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ

**दुबई (एजेंसी)।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को अक्टूबर के लिए द्वष्टष्ट विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। 29 साल की दीप्ति ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 6 इंटरनेशनल मैच में 155 रन बनाए और 7 विकेट लिए। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी-20 और तीन वनडे समेत सभी 6 मुकाबले जीते। दीप्ति ने इस पुरस्कार की दौड़ में बांग्लादेश की सोभना मोस्तारी और ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ा। यह उनके करियर का दूसरा आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड है। इससे पहले उन्हें दिसंबर 2023 में यह सम्मान मिला था।दीप्ति शर्मा टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली महिला हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज की शुरुआत रायपुर में हुए पहले टी-20 इंटरनेशनल से हुई। इस मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने सिर्फ 19 रन के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे समय में दीप्ति ने तेजी से 49 रन बनाए।टी-20 सीरीज में दीप्ति ने कुल 2 विकेट भी लिए।



**बुरी खबर**

## तेलंगाना की अंडर-19 क्रिकेटर ने किया सुसाइड

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** तेलंगाना के विकाराबाद जिले में बीसीसीआई अंडर-19 टीम में चुनी गईं 17 साल की क्रिकेटर नंदिनी ने सुसाइड कर लिया है। वे यहां अपनी नानी के घर रहकर पढ़ाई और क्रिकेट की तैयारी कर रही थीं। इस घटना के विरोध में उनके रिश्तेदारों ने प्रदर्शन किया। घटना शुक्रवार की है। परिजन का आरोप है कि इलाके में रहने वाला युवक अनिल प्यार के नाम पर नंदिनी का पीछा करता था। अनिल का दोस्त कृष्णा उसका साथ देता था। नंदिनी मूल रूप से विकाराबाद जिले के यलाल मंडल के संगयापल्ली गांव की रहने वाली थीं। हाल ही में उनका सिलेक्शन बीसीसीआई अंडर-19 टीम में हुआ था। नंदिनी की मौत के बाद परिजन ने सड़क पर प्रदर्शन किया। उन्होंने दोनों युवकों की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद नंदिनी का शव परिवार को सौंप दिया गया। विकाराबाद के सर्किल इंस्पेक्टर रघु के मुताबिक, पुलिस को शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे घटना की सूचना मिली। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची। पिता की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



**अल्वी फरहान को 3 गेम में हराया, दूसरे खिताब से एक जीत दूर**

## जापान मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे लक्ष्य

**कुमामोटो (एजेंसी)।** भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को कुमामोटो प्रीफेक्चुरल जिम्नेजियम में खेले गए सेमीफाइनल में लक्ष्य ने इंडोनेशिया के अल्वी फरहान को 21-12, 15-21, 21-11 से हराया। तीन गेम तक चले इस मुकाबले को जीतने में लक्ष्य को एक घंटा 9 मिनट का समय लगा। अब वे खिताब से एक जीत दूर हैं। फाइनल में उनका सामना कोकी वातानाबे या पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 कुनलावुत वितिदसार्न से होगा। लक्ष्य ने पहले गेम में शानदार शुरुआत की और 21-12 से जीत दर्ज की।

दूसरे गेम में अल्वी फरहान ने वापसी करते हुए 21-15 से गेम अपने नाम किया। इसके बाद निर्णायक गेम में लक्ष्य ने आक्रामक खेल दिखाया और 21-11 से जीत हासिल कर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया। जापान मास्टर्स से पहले लक्ष्य ने जर्मनी में हाइलो ओपन का खिताब जीता था। फाइनल में उन्होंने इंडोनेशिया के डिफेंडिंग चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी को 21-17, 21-10 से हराया था।यह इस सीजन का उनका पहला और करियर का सातवां बीडब्ल्यूएफ खिताब था। अब जापान मास्टर्स में भी वे उसी लय को बरकरार रखे हुए हैं। लक्ष्य ने जापान मास्टर्स में अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर की थी।

दूसरे राउंड में उन्होंने चीन के डोंग तियान याओ को 21-8, 21-14 से हराया। यह मुकाबला 35 मिनट चला था। क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य ने जापान के युशी तनाका को 21-16, 21-15 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। यह मुकाबला 39 मिनट से कम समय में खत्म हुआ था। लक्ष्य सेन ने हाल ही में कोरिया ओपन से नाम वापस ले लिया था। हालांकि, जापान मास्टर्स में उनके प्रदर्शन से साल के अंत में होने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने की उम्मीदें मजबूत हुई हैं।



# भारत का न्यूजीलैंड के साथ निर्णायक मुकाबला आज



**माउंट मोनगानुई (एजेंसी)।** न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे में 89 रन पर सिमटने के बाद भारतीय टीम अब आखिरी मुकाबले में सम्मान बचाने और सीरीज जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। माउंट मोनगानुई में रविवार को होने वाले पांचवें और निर्णायक वनडे में भारतीय बल्लेबाजों के सामने स्विंग और सीम लेती गेंदों की बड़ी चुनौती होगी।

### भारतीय बल्लेबाजों की परीक्षा

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का पांचवां और अंतिम मुकाबला रविवार को माउंट मोनगानुई में खेला जाएगा। भारतीय बल्लेबाज पिछले मैच में न्यूजीलैंड की स्विंग और सीम गेंदबाजी के सामने पूरी तरह नाकाम रहे थे। मैट हेनरी ने शुरुआती ओवर में ही तीन विकेट लेकर भारत को बैकफुट पर धकेल दिया था। ऐसे में टीम इंडिया की कोशिश आखिरी मुकाबले में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने की होगी।

### 89 रन पर सिमटी थी टीम इंडिया, झेलनी पड़ी बड़ी हार

चौथे वनडे में 334 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम महज 26.4 ओवर में 89 रन पर ऑलआउट हो गई थी।न्यूजीलैंड ने इस मुकाबले में 244 रन से जीत दर्ज की। इस हार के बावजूद भारतीय टीम सीरीज में 2-1 से आगे है और आखिरी मैच जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी।

### रोहित पर रहेंगी निगाहें

पांच मैचों की इस सीरीज में रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर अब तक अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे हैं। चौथे वनडे में रोहित मैट हेनरी की शानदार गेंद पर चकमा खाकर स्लिप में कैच दे बैठे। वहीं श्रेयस अय्यर तेज गति से अंदर आती गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। कप्तान के रूप में अय्यर का पदार्पण भी निराशाजनक रहा। अब दोनों बल्लेबाज आखिरी मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

### भारतीय गेंदबाज रहे बेअसर

पावरप्ले में न्यूजीलैंड ने मारी बाजी, चौथे वनडे में दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों के पावरप्ले प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिला। न्यूजीलैंड ने छठे ओवर तक भारत का स्कोर चार विकेट पर नौ रन कर दिया था। वहीं भारतीय तेज गेंदबाज शुरुआती ओवरों में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर वैसा दबाव नहीं बना सके। कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी माना कि दूसरी पारी में गेंदबाजी के लिए परिस्थितियां काफी अनुकूल हो गई थीं।

### न्यूजीलैंड का आत्मविश्वास बढ़ा

चौथे वनडे में बड़ी जीत हासिल करने के बाद न्यूजीलैंड का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। टीम के सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने अर्धशतक लगाकर अपनी फॉर्म दिखाई, जबकि विल यंग ने दो बार कैच छूटने के बाद शानदार शतक जड़ा। न्यूजीलैंड की कोशिश पांचवां वनडे जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर करने की होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# सर्दियों में बच्चों को रहता है इन 4 बीमारियों का खतरा, ऐसे करें बचाव



**ठंड के इस मौसम में इम्यूनिटी कमजोर होने लगती है। इम्यूनिटी कमजोर होने के कारण शरीर वायरल समस्याओं से बहुत ही जल्दी घिरता है। खासतौर पर छोटे बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर ही रहती है। ऐसे में बच्चों को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से इस मौसम में जूझना पड़ता है। सर्दियों में बच्चों को सांस से जुड़ी समस्याएं भी बहुत ही जल्दी परेशान करती हैं इसके कारण बच्चों के गले में खराश, नाक बहना और सर्दी खांसी जैसे लक्षण आम होते हैं। कुछ बच्चों को थकान और सुस्ती भी इसके कारण महसूस होती है।**

### निमोनिया

इस समस्या के कारण बच्चे सर्दियों में परेशान हो सकते हैं। यह बीमारी बच्चों में सर्दियों में ज्यादा देखने को मिलती है। यह सांस से जुड़ी एक ऐसी समस्या है जो फेफड़ों को प्रभावित करती है। इस स्थिति में बच्चों को सांस लेने में परेशानी होती है। यह बैक्टीरिया या फिर कवक के कारण हो सकता है। निमोनिया बच्चों को सर्दियों में ज्यादा परेशान करता है हालांकि यह व्यस्कों को भी हो सकता है।

### साइनस

यह समस्या हर उम्र के लोगों के देखने में मिलती है। बच्चों को साइनस हो सकता है। इस समस्या में नाक और आंख के पीछे हवा से भरी थैलियों में द्रवा जमा हो जाता है जिससे संक्रमण का खतरा रहता है। बच्चों को साइनस होने के कारण सिरदर्द, बुखार, सर्दी-जुकाम जैसे लक्षण भी दिखते हैं। यदि आपके बच्चों को साइनस की बीमारी है तो सर्दियों में आपको उनका ज्यादा ध्यान रखने की जरुरत होती है।

### अस्थमा

यह बीमारी सर्दियों में ज्यादा बढ़ती हैं। बच्चों को भी अस्थमा हो सकता है। यह बीमारी फेफड़ों को वायुमार्ग को संकरा कर देता हैं। इससे बच्चों को सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। इसके कारण बच्चों को सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। इससे कफ की समस्या भी होती है और बच्चों को घबराहट भी हो सकती है। ऐसे में सर्दी के मौसम में आपको बच्चों की धूल-मिट्टी और प्रदूषण से बचाना चाहिए।

### ब्रोंकियोलाइटिस

यदि सर्दियों में आपके बच्चे को बार-बार सर्दी-खांसी होती है तो यह ब्रोंकियोलाइटिस का संकेत भी हो सकता है। यह शिशुओं और बच्चों को प्रभावित करने वाली बीमारी हो जो फेफड़ों में वायुमार्ग में सूजन का कारण बन सकता है। यह एक संक्रामक बीमारी है जो खांसी या छींक के माध्यम से निकलने वाली बूंदों के संपर्क में आने से फैलता है। इस स्थिति में बच्चों को नाक बहना, बुखार या फिर सीने में घरघराहट जैसे लक्षणों का सामना भी करना पड़ सकता है।



### बच्चों का कैसे करें बचाव?

.सांस की बीमारियों से बच्चों को बचाने के लिए हाइजीन का खास ध्यान रखें।
.खाना खाने से पहले बच्चों के हाथ साबुन से धुलाएं।
. यदि बच्चों को खांसी हो रही है तो खांसते हुए और छींकते हुए मुंह ढकने के लिए कहें।
.ठंड से बचाने के लिए बच्चों को पूरे कपड़े पहनाएं। बच्चों को दस्ताने और मास्क भी जरुर पहनाएं।
.भीड़-भाड़ वाली जगहों पर बच्चों को न जाने दें।
.बच्चे के खान-पान का ध्यान रखें।

### शरीर को गरम रखें

अक्सर बच्चों को ठंड लगने की वजह से, वे बुखार और खांसी-जुकाम का शिकार हो सकते हैं। इसलिए उन्हें अच्छे से कपड़े पहना कर रखें। अक्सर बच्चे जुराब और टोपी नहीं पहनते, जिस वजह से उन्हें ठंड लग जाती है। इसलिए कोशिश करें कि उन्हें ठीक से कपड़े पहनाएं और ठंड से बचा कर रखें।

### हाइजीन का ध्यान रखें

सर्दियों के मौसम में अक्सर बच्चे ठंड की वजह से अपनी हाइजीन का ख्याल नहीं रखते। वे गंदे हाथों से अपने मुंह और नाक को छूते हैं, जिस वजह से, वे आसानी से वायरस और बैक्टीरिया की चपेट में आ सकते हैं। इसलिए बच्चों को हाइजीन का महत्व समझाएं और हमेशा बाहर से आने के बाद अच्छे से साबुन से हाथों को धोने की सलाह दें और गंदे हाथों से मुंह न छूने दें।



### संतुलित आहार खिलाएं

पोषक तत्वों की कमी की वजह से बच्चों का इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है और वे बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। इसलिए अपने बच्चों की डाइट का खास ख्याल रखें। उन्हें संतुलित आहार दें।

### बीमार लोगों से दूर रखें

सर्दी और जुकाम ऐसी बीमारियां हैं, जो बीमार व्यक्ति से स्वस्थ व्यक्तियों में फैल सकता है। ऐसे में बच्चे उनका आसान शिकार हो सकते हैं। इसलिए अपने बच्चों को बीमार व्यक्तियों के पास न जाने दें।

### छींकते वक्त मुंह ढकें

छींकते और खांसते वक्त हवा में मुंह और नाक से ड्रॉपलेट्स आते हैं, जिनकी वजह से इन्फेक्शन फैल सकता है। इसलिए बच्चों में आदत डालें कि हमेशा छींकते या खांसते वक्त अपने मुंह और नाक को रुमाल या कोहनी से ढकें, ताकि वायरस और बैक्टीरिया हवा में न फाइलें।

### पानी की कमी न होने दें

पानी की कमी की वजह से म्यूकस लाइनिंग मोटी होने लगती है, जिस वजह से रेस्पिरेशन में तकलीफ हो सकती है और बलगम इकट्ठा हो सकता है। इसलिए बच्चों को भरपूर मात्रा में पानी पिलाएं, ताकि म्यूकस की परत मोटी न हो।

# एआई के जमाने में टिके रहने के लिए हर पैरेंट अपने टीनेज बच्चों को सिखाएं ये 3 स्किल्स



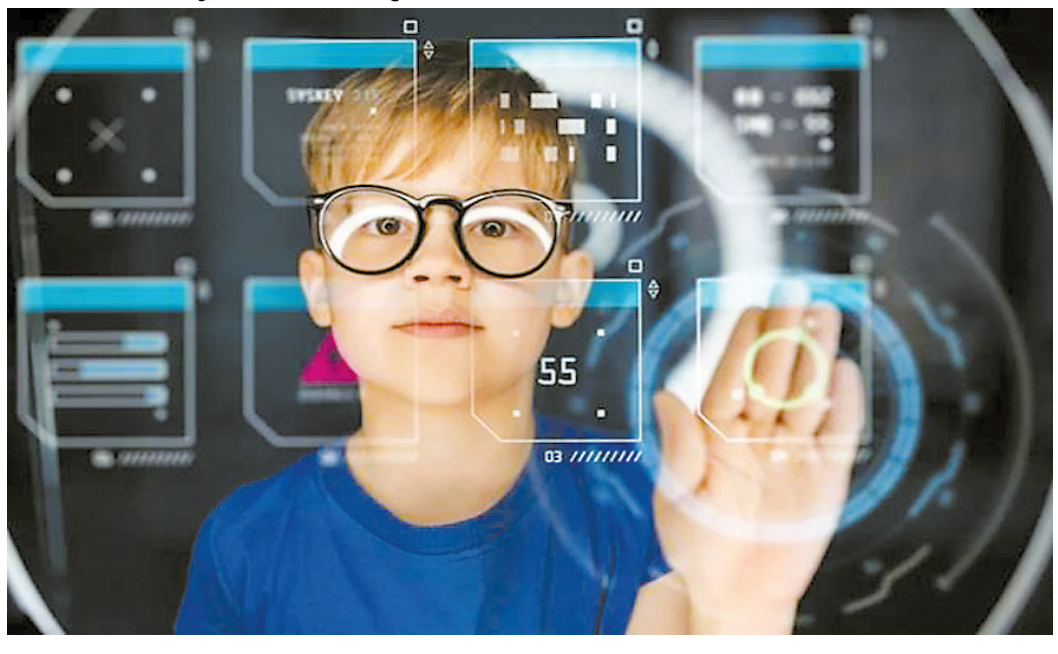
**आज की दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इतनी तेज़ी से बढ़ रही है कि आने वाले कुछ सालों में कई नौकरियां पूरी तरह बदल जाएंगी। ऐसे में माता-पिता के लिए ज़रूरी है कि वे अपने बच्चों को सिर्फ़ अच्छे मार्क्स नहीं, बल्कि ऐसी स्किल्स सिखाएं जो मशीनें नहीं सीख सकतीं। जानिए 3 ज़रूरी जॉब स्किल्स जो हर पैरेंट को अपने टीनेज बच्चों को सिखानी चाहिए, ताकि वे भविष्य के करियर में सफल रह सकें।**

क्रिटिकल थिंकिंग - सोचने और सवाल करने की कला

एआई डेटा से फैसले ले सकता है, लेकिन सोचने, तर्क करने और सही-गलत समझने की क्षमता सिर्फ इंसानों के पास होती है।बच्चों को सिखाएँ कि वे हर जानकारी पर आंख मूंदकर भरोसा न करें, खुद से सवाल करें जैसे- क्यों?, कैसे?,क्या इसका और कोई तरीका हो सकता है? किसी समस्या को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखें। उन्हें समाचारों या सोशल मीडिया पोस्ट पर चर्चा करने को कहें और तर्क पूछें 'तुम्हें क्यों लगता है ये सही है?'

### कम्युनिकेशन और इमोशनल इंटेलिजेंस

एआई चैट कर सकता है, लेकिन भावनाएं समझ नहीं सकता। भविष्य में जो इंसान दूसरों से जुड़ना, टीम में काम करना और सहानुभूति दिखाना जानता है, वही आगे बढ़ेगा। बच्चों को सिखाएं कि वे दूसरों की बात ध्यान से सुनें, अपनी भावनाएं साफ़ और सम्मानजनक तरीके से व्यक्त करें, दूसरों की स्थिति को समझने की कोशिश करेंज उन्हें ग्रुप एक्टिविटीज़, वॉलंटियर वर्क या स्कूल डिबेट में हिस्सा लेने को प्रेरित करें।



### क्रिएटिविटी और प्रॉब्लम सॉल्विंग

एआई पुराने डेटा पर चलता है, लेकिन नई सोच और नए आइडिया इंसानों से ही आते हैं। क्रिएटिव बच्चे हर बदलते दौर में अपने लिए नए मौके बना लेते हैं। बच्चों को सिखाएं कि वे असफलता से डरें नहीं, बल्कि उससे सीखें, हर समस्या को एक 'पज़ल' की तरह देखें,कला, संगीत, डिजाइन या इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में अपनी रुचि आज़माएं। उन्हें घर के छोटे प्रोजेक्ट्स सुलझाने का मौका दें - जैसे कोई टूटी चीज़ ठीक करना, बजट बनाना या कोई नया आइडिया ट्राय करना।

### जरूरी बात

भविष्य उन्हीं का होगा जो सोच सकते हैं, महसूस कर सकते हैं और नई दिशा बना सकते हैं। इसलिए बच्चों को सिर्फ़ एआई से डरना नहीं, बल्कि एआई के साथ आगे बढ़ना सिखाए। ध्यान रखें कि मशीनें काम कर सकती हैं, लेकिन सोचने का काम इंसान का ही रहेगा।



## बच्चों के पढ़ाई और संस्कारों के साथ सिखा दें ये बातें भी, हमेशा बचे रहेंगे गलत संगत से

आज के समय में बच्चों को सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, बल्कि जीवन के संस्कार और सुरक्षा के गुण भी सिखाना बेहद जरूरी है। ऐसे बच्चे न केवल समझदार बनते हैं बल्कि बुरे लोगों या गलत संगति से खुद को बचाना भी जानते हैं। यहाँ कुछ जरूरी बातें हैं जो हर पैरेंट्स को अपने बच्चों को सिखानी चाहिए

### 'ना' कहना सिखाएं

बच्चों को यह समझाएं कि अगर कोई व्यक्ति उन्हें असहज महसूस कराता है चाहे वो कोई जान-पहचान वाला ही क्यों न हो तो वे तुरंत 'ना' कहें। ये आत्म-सुरक्षा का पहला कदम है। ना कहना गलत नहीं, अपनी सुरक्षा ज़रूरी है।

### अच्छे और बुरे स्पर्श की समझ

बच्चे को सिखाएं कि शरीर के कौन से हिस्से 'प्राइवेट' हैं और वहां कोई छूए तो उसे तुरंत बताना चाहिए।इसके लिए कहानी या चित्रों के माध्यम से सिखाना आसान होता है।

### खुलकर बात करना

बच्चों को डरने नहीं बोलने की हिम्मत दें। अगर स्कूल, बस, या बाहर कुछ गलत लगे तो वे तुरंत मां-पापा को बताएं।जो बच्चा अपने माता-पिता से खुलकर बात करता है, वो कभी शिकार नहीं बनता। उन्हें समझाएं कि किसी अजनबी से गिफ्ट, खाना या लिफ्ट न लें। अगर कोई अनजान व्यक्ति बुलाए, तो तुरंत भरोसेमंद बड़े को बताएं।

### ऑनलाइन सुरक्षा

आजकल खतरे सिर्फ बाहर नहीं,इंटरनेट पर भी हैं। बच्चों को सिखाएं कि अपनी फोटो, लोकेशन या जानकारी किसी से साझा न करें। पैरेंट्स को भी बच्चों की ऑनलाइन एक्टिविटी पर नज़र रखनी चाहिए।

### भरोसे का रिश्ता बनाए रखें

बच्चा तभी सच बोलेगा जब उसे लगेगा कि आप डांटेंगे नहीं, समझेंगे। मां-बाप का भरोसा बच्चे की सबसे बड़ी ढाल होता है। जो बच्चे इन बातों को समझते हैं, उन पर कभी बुरे लोगों का साया नहीं पड़ता। वे साहसी, समझदार और सुरक्षित बनते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## आईएनएस चिल्का में 3,358 अग्निवीर और नाविकों की पासिंग आउट परेड, 142 महिलाएं शामिल

भुवनेश्वर , एजेंसी। ओडिशा के आईएनएस चिल्का में भव्य पासिंग आउट परेड (पीओपी) आयोजित की गई, जिसमें रिकॉर्ड 3,358 प्रशिक्षुओं ने अपना गहन प्रारंभिक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। इसमें 142 महिला प्रशिक्षु भी शामिल थीं। इस समारोह के साथ भारतीय नौसेना के 2,756 अग्निवीरों, 286 चिकित्सा सहायकों और भारतीय तटरक्षक बल के 316 नाविकों ने 16 सप्ताह का कठोर प्रशिक्षण पूरा किया। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने इस पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया, जबकि दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल समीर सक्सेना ने समापन समारोह की अध्यक्षता की। प्रशिक्षण के दौरान, प्रशिक्षुओं को शैक्षणिक अध्ययन, शारीरिक फिटनेस, तैराकी, और नेतृत्व विकास सहित विभिन्न गतिविधियों में निपुण बनाया गया। इस दौरान अनुशासन, टीम भावना तथा नौसेना के मूल मूल्यों - कर्तव्य, सम्मान और साहस पर विशेष जोर दिया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नचिकेता सनासम को एसएसआर श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु, अरबाज अमीन को एमआर श्रेणी में और दीक्षा को समग्र योग्यता सूची में सर्वश्रेष्ठ महिला प्रशिक्षु चुना गया। अमर शक्ति एम को सर्वश्रेष्ठ नाविक जीडी तथा अर्पित सांगवान को सर्वश्रेष्ठ नाविक डीबी का सम्मान मिला। इस यादगार अवसर पर युवा प्रशिक्षुओं के परिवारों ने भी भव्य परेड का अवलोकन किया।

## पाकिस्तानी एजेंट को साझा कीं गोपनीय सैन्य सूचनाएं

- वायुसेना विंग कमांडर पर देशद्रोह का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर पर देश की सुरक्षा से जुड़ी गोपनीय सैन्य जानकारी और युद्ध योजनाओं से संबंधित दस्तावेज पाकिस्तानी खुफिया एजेंट के साथ साझा करने का गंभीर आरोप लगा है। दिल्ली पुलिस द्वारा अदालत में दाखिल किए गए आरोपपत्र (चार्जशीट) में इस चौंकाने वाले खुलासे ने देश की सुरक्षा एजेंसियों को हैरान करने के साथ-साथ सतर्क कर दिया है। आरोप है कि यह अधिकारी कथित तौर पर हनीट्रैप का शिकार हुआ था और उसे अश्लील तस्वीरों के बदले देश की सुरक्षा से जुड़ी अत्यधिक संवेदनशील जानकारियां साझा करने के लिए मजबूर किया गया, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हुआ। आरोपपत्र के अनुसार, विंग कमांडर ने व्हाट्सएप के माध्यम से पाकिस्तानी खुफिया एजेंट को सैन्य अभियानों से संबंधित गोपनीय सूचनाएं, युद्ध की रणनीतियों से जुड़े दस्तावेज, ड्रोन तकनीक से संबंधित विस्तृत जानकारियां और सैन्य तैनाती का विस्तृत ब्योरा भेजा था। इसमें अग्रिम मोर्चे के लड़ाकू विमानों की गतिविधियों और संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठानों के भौगोलिक निर्देशांक भी शामिल थे, जो दुश्मन देश के हाथों में जाने से बड़ी क्षति पहुंचा सकते हैं। इन सूचनाओं को किसी विदेशी ताकत के साथ साझा करना न केवल देशद्रोह के समान माना जाता है बल्कि इसके अत्यंत गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जिससे देश की सामरिक स्थिति कमजोर हो सकती है।

## पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एम्स से डिस्चार्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को शनिवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से छुट्टी दे दी गई है। उन्हें बुधवार को सुबह की सैर के दौरान अचानक बेहोश होकर गिरने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुछ मिनट तक बेहोश रहने के बाद उन्हें सुरक्षाकर्मी शुरुआत में घर ले गए थे, लेकिन बाद में एम्स के कार्डियो-न्यूरो सेंटर में लाया गया, जहां हृदय रोग विभाग की देखरेख में उनकी जांच और उपचार किया गया। यह पिछले दो वर्षों में उनका सबसे लंबे समय तक बेहोश रहने का मामला था। इसके पहले वह जून 2025 में नैनीताल में एक कार्यक्रम के दौरान और इस साल जनवरी में दो बार अपने घर पर भी बेहोश हो चुके हैं। मार्च 2025 में सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें एम्स के आईसीयू में भर्ती किया था, जहां उनकी एंजियोप्लास्टी भी की गई थी। धनखड़ ने अगस्त 2022 से जुलाई 2025 तक भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में कार्य किया।

# मैं ओवैसी तेरे आंगन का...पवन खेड़ा ने एआईएमआईएम और चंद्रशेखर के गठबंधन पर कसा तंज

### चंद्रशेखर ने कांग्रेस और सपा को दिया था गठबंधन का प्रस्ताव

**नई दिल्ली , एजेंसी।** उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के बीच गठबंधन के ऐलान के बाद कांग्रेस ने निशाना साधना शुरू किया है। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा ने ओवैसी पर फिल्मी अंदाज में तंज कसते हुए कहा कि लखनऊ में एक नई पिक्चर बन रही है, जिसका नाम है मैं ओवैसी तेरे आंगन का।

कांग्रेस नेता खेड़ा ने अपनी टिप्पणी में पुरानी फिल्म मैं तुलसी तेरे आंगन की का जिक्र कर कहा, वहां पिक्चर थी ना मैं तुलसी तेरे आंगन की, अब लखनऊ में एक नई पिक्चर बन रही है मैं ओवैसी तेरे आंगन का। उनके इस बयान को




ओवैसी और चंद्रशेखर के गठबंधन पर कांग्रेस की राजनीतिक प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है।

इसके पहले कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी भी दोनों नेताओं के गठबंधन को लेकर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद के बीच हुआ सामाजिक परिवर्तन मोर्चा का गठबंधन भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के इशारे पर तैयार किया गया है। कांग्रेस सांसद तिवारी का दावा था कि बीजेपी इसतरह के गठबंधनों के जरिए विपक्षी दलों के वोटों में बंटवारा कराने की रणनीति अपनाती है।

उन्होंने महाराष्ट्र और बिहार के सीमांचल क्षेत्र का उदाहरण देकर कहा था कि इसतरह के राजनीतिक समीकरणों से चुनाव में वोटों का विभाजन होता है, जिसका फायदा बीजेपी को मिल सकता है। गौरतलब है कि चंद्रशेखर आजाद ने आगामी यूपी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के सामने भी गठबंधन का प्रस्ताव रखा था, लेकिन दोनों दलों के साथ सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद ओवैसी और चंद्रशेखर ने साथ आने का फैसला किया। अब इस गठबंधन ने प्रदेश की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है।

# खरगोन में आया 4.5 तीव्रता का भूकंप, खंडवा के कई इलाकों में भी हिली धरती

- भूकंप का केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर था, कोई जनहानि नहीं

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के खरगोन, खंडवा और आसपास के इलाकों में शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक शनिवार सुबह 9 बजकर 15 मिनट 28 सेकंड पर खरगोन क्षेत्र में 4.5 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक भूकंप का केंद्र 21.59डिग्री उत्तरी अक्षांश और 75.552डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। ये स्थान धार जिले के धामनोद से करीब 69 किलोमीटर दक्षिण और इंदौर से करीब 129 किलोमीटर दक्षिण, दक्षिण पश्चिम में बताया गया है। भूकंप के झटके खरगोन जिले और खंडवा सहित आसपास के क्षेत्रों में महसूस किए जाने की जानकारी सामने आई है। भूकंप की गहराई कम होने के कारण केंद्र के आसपास के इलाकों में कंपन महसूस होने की संभावना रही। खंडवा जिले और आसपास के क्षेत्रों में पिछले कुछ सालों में भी भूकंप के झटके दर्ज किए गए हैं जिसमें 12 सितंबर 2025 को सुबह करीब 8:46 बजे खंडवा में 3.0 तीव्रता का भूकंप आया था। इसका केंद्र जमीन से करीब 5 किलोमीटर की गहराई पर था। 4 जून 2025 को रात करीब 9:57 बजे खंडवा, बुरहानपुर और नेपानगर में 3.8 तीव्रता के झटके महसूस किए गए थे। इसका केंद्र खंडवा से करीब 66 किलोमीटर दूर महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश सीमा के पास, अमरावती के नजदीक बताया गया था। 21 जून 2024 को सुबह 9:04 बजे खंडवा और पंधाना क्षेत्र में 3.6 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। इसका केंद्र खंडवा के आसपास जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर था।

# एनसीपी के दोनों गुटों का नहीं होगा विलय, एनडीए में शामिल हो सकते हैं शरद पवार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मुंबई,(ईएमएस)। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के संभावित विलय की अटकलों पर अब विराम लग गया है। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, शरद पवार का गुट भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने का विकल्प तलाश रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) बिना किसी विलय के ही एनडीए का हिस्सा बनने की संभावनाएं खंगाल रहा है। पहले ऐसी खबरें थीं कि दोनों गुट फिर से एक हो सकते हैं, लेकिन मौजूदा संकेतों से यह संभावना क्षीण होती दिख रही है। शरद पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने गुरुवार



को दिल्ली में इस बात को साफ करते हुए कहा, विलय की चर्चा उसी पल खत्म हो गई थी जब मेरे भाई (अजीत पवार) ने पार्टी छोड़ी थी। यह बयान विलय की संभावनाओं पर पूर्ण विराम लगाता है।

सूत्रों के मुताबिक, शरद पवार का गुट एक स्वतंत्र पार्टी के रूप में सत्ताधारी गठबंधन महायुति में शामिल होने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहा है। माना जा रहा है कि अगर यह गुट एक अलग घटक दल के रूप में एनडीए में शामिल होता है, तो उन्हें केंद्र में कोई अहम मंत्रालय और राज्य मंत्रिमंडल में भी कोई पद मिल सकता है। इस बीच, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के कार्यालय से पार्टी विधायकों को फोन किए गए हैं ताकि उनका रुख और मौजूदा राजनीतिक हालात पर उनकी राय जानी जा सके। इस बातचीत के जरिए यह समझने की कोशिश की जा रही है कि क्या दोनों गुटों का विलय होना चाहिए या अन्य विकल्प तलाशे जाने चाहिए। एनसीपी (अजीत गुट) की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा पवार, दोनों गुटों के विलय के खिलाफ हैं। उन्होंने महायुति के प्रदेश नेतृत्व को अपना रुख स्पष्ट कर दिया है और चेतावनी दी है कि विलय से उनके अपने गुट के अस्तित्व पर खतरा आ सकता है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि सुनेत्रा पवार ने यह भी संकेत दिया है कि अगर शरद पवार का गुट एक स्वतंत्र पार्टी के तौर पर एनडीए में शामिल होता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी।

# कराची में 7 महीने से फंसे 6 नाविक, भारत ने पाकिस्तान से मांगी मदद

**नई दिल्ली , एजेंसी ।** पाकिस्तान के कराची बंदरगाह पर पिछले करीब सात महीनों से छह भारतीय नाविक फंसे हुए हैं। इनमें भारतीय मर्चेंट नेवी के एक चीफ ऑफिसर भी शामिल हैं। परिवारों की लगातार अपील और नाविकों की स्वदेश वापसी में हो रही देरी के बीच भारत सरकार ने अब पाकिस्तान से राजनयिक स्तर पर सहायता मांगी है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार, 13 नवंबर को इसकी पुष्टि की। हालांकि, इस मामले में एक बड़ी पेचीदगी सामने आई है। भारत सरकार के मुताबिक, नाविकों की परेशानी सीधे तौर पर भारत और पाकिस्तान के बीच किसी राजनीतिक या कूटनीतिक विवाद से नहीं, बल्कि जहाज की मालिक कंपनी और उसके कर्मचारियों के बीच व्यावसायिक विवाद से जुड़ी है। यही वजह है कि नाविकों की वापसी में लगातार देरी हो रही है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत सरकार वहां फंसे नाविकों, उनकी शिपिंग कंपनी और कंपनी के एजेंट के संपर्क में है। उन्होंने पाकिस्तान से कांसुलर सहायता का अनुरोध किए जाने की पुष्टि की। जायसवाल ने कहा, हम वहां मौजूद इन लोगों के संपर्क में हैं, साथ ही उनके नियोक्ता यानी पोत परिवहन कंपनी और उनके एजेंट से भी बातचीत कर रहे



हैं, और इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। हमने पाकिस्तानी पक्ष से राजनयिक सहायता का भी अनुरोध किया है। रिपोर्टों के मुताबिक, छह भारतीय नाविकों का जहाज 17 अप्रैल 2023 (मूल खबर में 2026 दिया गया था, जिसे 2023 किया गया है) को कराची बंदरगाह पहुंचा था। इसके बाद जहाज एक विवाद में उलझ गया और चालक दल के सदस्य वहीं फंसकर रह गए। इस मामले में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के मर्चेंट नेवी अधिकारी विनीत किशोर मिश्रा का नाम सामने आया है, जो ईरान की कंपनी के साथ काम कर रहे थे। परिवार के मुताबिक, जहाज के कराची पहुंचने के बाद कंपनी और बंदरगाह अधिकारियों के बीच विवाद शुरू हो गया, जिसका खामियाजा जहाज पर मौजूद भारतीय कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस मामले में एक अहम तकनीकी और कानूनी पहलू बताया। उनके मुताबिक, जहाज पर तैनात कर्मचारी अपनी ड्यूटी बीच में छोड़कर नहीं जा सकते। उनकी जगह दूसरे चालक दल की व्यवस्था करना जरूरी है। जब तक कंपनी नए कर्मचारियों को नहीं भेजती, तब तक मौजूदा चालक दल के सदस्यों के लिए जहाज से औपचारिक रूप से विदा लेना मुश्किल है। इस बीच, नाविकों के परिवारों ने उनकी स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताई है। विनीत किशोर मिश्रा के परिवार का आरोप है कि जहाज पर मौजूद कर्मचारियों के पासपोर्ट जब्त कर लिए गए हैं, और बिजली आपूर्ति भी बंद कर दी गई है। परिवारों के मुताबिक, जहाज पर संचार व्यवस्था बेहद खराब है, जिससे नाविकों की अपने परिजनों से नियमित बातचीत नहीं हो पा रही है। कई बार करीब 15 दिनों में एक बार ही उनसे संपर्क हो पाता है। सरकार इस मामले का समाधान निकालने की कोशिश कर रही है।

## सीएम मान को पाकिस्तान के न्योते पर विदेश मंत्रालय की दो टूक, कहा- राष्ट्रीय नीति का पालन करें सभी लाहौर में विश्व पंजाबी सम्मेलन का मुख्य अतिथि बनने का मिला निमंत्रण

नई दिल्ली ,एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में होने वाले 'विश्व पंजाबी सम्मेलन' में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किए जाने पर विदेश मंत्रालय ने कहा है कि दूसरे देशों के साथ संबंधों को लेकर भारत की स्पष्ट राष्ट्रीय नीति है और सभी से इसका पालन करने की अपेक्षा की जाती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि विदेश जाने वाले जनप्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों को राजनीतिक मंजूरी देने के मामले में मंत्रालय निर्धारित प्रक्रिया के तहत आकलन करता है और उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाती है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को लेकर भारत का रुख सभी के सामने स्पष्ट है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री रमेश सिंह अरोड़ा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब विधानसभा के सदस्यों को पाकिस्तान आने का औपचारिक तथा मौखिक निमंत्रण दिया है। उन्होंने कहा कि यह निमंत्रण पाकिस्तान पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की ओर से भी दिया गया है। सम्मेलन लाहौर में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

**एफएटीएफ बैठकों में भारत की सक्रिय भागीदारी-** जायसवाल ने बताया कि भारत ने पेरिस में आयोजित वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) की पूर्ण बैठक और कार्य समूह की बैठकों में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि एफएटीएफ अवैध वित्तीय गतिविधियों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करता है। भारत ने इन बैठकों में मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवाद के वित्तपोषण और सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार के लिए होने वाली फंडिंग को रोकने वाले वैश्विक तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से भाग लिया।

# दिल्ली के प्रदूषण में बायोमास और कार्बनिक एयरोसोल की 50.8 फीसदी रही हिस्सेदारी

### -आईआईटीएम की रिपोर्ट से हुआ खुलासा, धुआं प्रदूषण का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत रहा

**लखनऊ , एजेंसी।** नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के प्रदूषण के स्रोतों के आकलन के मुताबिक बायोमास जलाना और द्वितीयक कार्बनिक एयरोसोल गुरुवार को दिल्ली के वायु प्रदूषण के सबसे बड़े कारण रहे। इन दोनों में से प्रत्येक का शहर के कुल प्रदूषण में 25.4 फीसदी योगदान रहा। वाहनों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत रहा, जिसका योगदान 17 फीसदी था।

वहीं, द्वितीयक अकार्बनिक एयरोसोल का प्रदूषण में योगदान 11.8 फीसदी रहा। द्वितीयक अकार्बनिक एयरोसोल में नाइट्रेट का योगदान 4.9 फीसदी, अमोनिया का 4.1 फीसदी और सल्फेट का 2.9 फीसदी रहा। द्वितीयक कार्बनिक एयरोसोल हवा में मौजूद बेहद छोटे ठोस कणों या तरल बूंदों को कहते हैं, जो सीधे किसी स्रोत से उत्सर्जित नहीं होते, बल्कि वायुमंडल में कई गैसों के बीच होने वाली रासायनिक प्रतिक्रियाओं से बनते हैं। मिश्रित ईंधन दहन से 10.7 फीसदी प्रदूषण हुआ, जबकि पटाखों का योगदान 7.1 फीसदी रहा। नगरपालिका के कचरे और प्लास्टिक और रबर युक्त कचरे को जलाने से 1.5 फीसदी प्रदूषण हुआ। वहीं, खनिज धूल और राख का योगदान 0.9 और औद्योगिक उत्सर्जन का 0.2 फीसदी रहा।

विशेषज्ञों ने बताया कि द्वितीयक कार्बनिक एयरोसोल वायुमंडल में होने वाली रासायनिक प्रतिक्रियाओं से बनते हैं। इनका स्रोत कुछ उद्योगों, डीजल और पेट्रोल वाहनों तथा बायोमास जलाने से होने वाला उत्सर्जन हो सकता है। दिल्ली में गुरुवार को धुंध की मोटी भूरी परत में लिपटी रही। इससे शहर की इमारतें और दूर तक का नजारा धुंधला नजर आया। हवा की गुणवत्ता और खराब होने से लोगों को खांसी, आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ा। स्वच्छ हवा के बुनियादी अधिकार की मांग को लेकर शहरभर में विरोध प्रदर्शन जारी रहने के बीच दिल्ली का 24 घंटे का औसत एक्यूआई बुधवार के 313 से बढ़कर गुरुवार को 350 पर पहुंच गया, जो 'बेहद खराब' श्रेणी में आता है।

दिवाली के बाद प्रदूषण का सबसे बड़ा स्रोत रहे पटाखों का योगदान 7.1 फीसदी रह गया। सोमवार को दिल्ली के कुल प्रदूषण में पटाखों का योगदान 71.1 फीसदी और मंगलवार को 29.8 फीसदी था। बुधवार को यह 7.4 फीसदी रहा। दिल्ली के लिए निर्णय सहायता



प्रणाली के मुताबिक शुक्रवार को परिवहन क्षेत्र से होने वाले प्रदूषण का योगदान बढ़कर 18.5 फीसदी होने का अनुमान है। इसके शुक्रवार को प्रदूषण का सबसे बड़ा स्रोत बन सकता है।

# परिसीमन और महिला आरक्षण कानून पास करने के लिए विशेष सत्र बुला सकती हैं मोदी सरकार

### केंद्रीय मंत्रियों का दावा पास करने के लिए पर्याप्त संख्या बल मौजूद

**नई दिल्ली, एजेंसी ।** केंद्र सरकार संसद का एक छोटा विशेष सत्र बुलाने पर विचार कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य परिसीमन और बहुप्रतीक्षित महिला आरक्षण कानून से जुड़े विधेयकों को जल्द से जल्द पारित कराना है। यह संभावित सत्र आगामी शीतकालीन सत्र से पहले आयोजित किया हो सकता है, जो 30 नवंबर या 4 दिसंबर को शुरू होने की संभावना है।बीजेपी सूत्रों के अनुसार, मोदी सरकार के पास अभी भी एक छोटा विशेष सत्र आयोजित करने के लिए पर्याप्त समय है। एक वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री ने हाल ही में संकेत दिया था कि विधायी पैकेज को पारित करने के लिए दो विकल्प हैं.....या एक विशेष सत्र में या फिर शीतकालीन सत्र में पारित कराया जाएं। हालांकि, पहले बीजेपी के सहयोगी दलों को संकेत दिया गया था कि इस शीतकालीन सत्र में पारित करने की अधिक संभावना है।

इन विधेयकों को पारित कराना मोदी सरकार के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, खासकर महिला आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले लागू करने की दिशा में आखिरी मौका हो सकता है। 2029 में ही लोकसभा चुनाव होने हैं। इस विधायी पैकेज में एक संविधान संशोधन विधेयक प्रमुख है, जो कि परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक के साथ प्रस्तुत किया जाएगा।

किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए एक जटिल संख्याबल की जरुरत होती है। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में अलग-अलग पारित करना होता है, जिसके लिए कुल सदस्यता के बहुमत के साथ-साथ मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई समर्थन की अनिवार्य शर्त होती है। इसतरह के विधेयकों को संयुक्त बैठक के जरिए पारित नहीं किया जा सकता। इसी जटिलता के चलते, अप्रैल में संख्याबल की कमी के कारण एक संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में गिर गया था।

वर्तमान संख्याबल पर और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, लोकसभा में एनडीए के पास 320 सांसद हैं, जबकि राज्यसभा में यह संख्या 155 है। यदि सभी सांसद मतदान में भाग लेते हैं, तब दो-तिहाई बहुमत प्राप्त करने के लिए सरकार को लोकसभा में 360 मतों (जो वर्तमान संख्या से 40 कम हैं) और राज्यसभा में 161 मतों (जो 6 कम हैं) की आवश्यकता होगी।

हालांकि, एक वरिष्ठ बीजेपी नेता ने आत्मविश्वास जताकर दावा किया है कि मोदी सरकार के पास आवश्यक आंकड़े से लगभग 15 वोट अधिक हैं। केंद्र सरकार विपक्षी दलों की चिंताओं को दूर करने और उनका समर्थन या कम से कम मतदान से गैरहाजिरी सुनिश्चित करने की कोशिश में है।

संसदीय प्रक्रिया के अनुसार, 13 अगस्त को मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद से अब तक उसका सत्रावसान नहीं हुआ है। इस स्थिति का लाभ उठाते हुए, सरकार को सत्र बुलाने के लिए 14 दिनों के अनिवार्य नोटिस की आवश्यकता नहीं होगी, और वह किसी भी दिन बैठक बुला सकती है। यह विशेष सत्र के आयोजन की संभावना को और प्रबल करता है, जहां सरकार इन महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

## उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने माता वैष्णो देवी में की पूजा-अर्चना, क्षेत्र में सुरक्षा पर विशेष ध्यान

**कटरा, एजेंसी ।** जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने हाल ही में रियासी जिले में स्थित त्रिकुटा पहाड़ियों पर माता वैष्णो देवी मंदिर का दौरा कर पूजा-अर्चना की। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में, उनका यह दौरा क्षेत्र में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं और तीर्थयात्रियों की रिकॉर्ड संख्या के बीच विशेष महत्व रखता है। उपराज्यपाल की यात्रा से ठीक एक दिन पहले, पुलिस उपमहानिरीक्षक (उधमपुर-रियासी रेंज) स्वर्ण सिंह कोतवाल ने रियासी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुकुंद तिबरेवाल के साथ श्रद्धालुओं के आधार शिविर कटरा का दौरा किया था। उन्होंने कटरा से भवन तक जाने वाले दोनों यात्रा मार्गों का पैदल निरीक्षण कर सुरक्षा तैयारियों का गहन जायजा लिया था। इस बीच, माता वैष्णो देवी धाम में श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार बढ़ रही है।

## सैम पित्रोदा ने कहा, मेरा फोन और लैपटॉप टैप किया जा रहा... मोदी खुद स्कूड्राइवर लेकर ऐसा नहीं कर रहे

**नई दिल्ली, एजेंसी ।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अंकल सैम पित्रोदा ने हाल ही में दावा किया है कि उनका फोन और लैपटॉप टैप किया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद स्क्रूड्राइवर लेकर ऐसा नहीं कर रहे हैं। यह बयान राहुल गांधी के उन आरोपों के बीच आया है, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर अपना मोबाइल फोन टैप करने का आरोप लगाया था। कांग्रेस नेता पित्रोदा ने बताया कि उनकी टैपिंग के पीछे किसका हाथ है।

पित्रोदा ने जोर दिया कि निजी रिश्तों को राजनीति से अलग रखना बेहद ज़रूरी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी हमेशा उनके और उनकी पत्नी के प्रति गर्मजोशी और अपनापन रखते हैं। उनका मानना है कि वे किसी से असहमत होने के बावजूद उसके साथ कॉफी पी सकते हैं, यह दिखाता है कि व्यक्तिगत संबंध और राजनीतिक व वैचारिक मतभेद अलग-अलग हैं। पित्रोदा ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनके निजी संबंध अच्छे हो सकते हैं, लेकिन उनके राजनीतिक और वैचारिक मतभेद कायम हैं।

इस संदर्भ में उन्होंने 12 नवंबर को दिवाली और गुजराती नववर्ष के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दी गई शुभकामनाओं का जिक्र किया। पीएम मोदी



ने सोशल मीडिया पर पित्रोदा को सैम भाई कहकर संबोधित किया था और उनकी पत्नी अंजना बेन के लिए भी सुखद व स्वस्थ वर्ष की कामना की थी। इसके जवाब में पित्रोदा ने भी मोदी को नरेंद्र भाई कहकर धन्यवाद दिया और उनके अच्छे स्वास्थ्य की प्रार्थना की थी। पित्रोदा ने साफ किया कि शुभकामनाओं का यह आदान-प्रदान किसी भी तरह से कांग्रेस और भाजपा के बीच संबंधों को सुधारने का प्रयास नहीं था, बल्कि यह पूरी तरह से सैम पित्रोदा और नरेंद्र मोदी के बीच एक निजी बातचीत थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

## ट्रंप के दूतों से 4 घंटे मिले पुतिन, फिर यूक्रेन पर समझौते से किया इनकार?

**मास्को , एजेंसी।** रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए अपनी मांगों में बदलाव करने से इनकार कर दिया है. उन्होंने कहा कि रूस उन यूक्रेनी इलाकों पर अपना कब्जा छोड़ने को तैयार नहीं है, जिन्हें वह अपना हिस्सा मानता है. पुतिन ने यूक्रेन में दूसरे देशों की शांति सेना तैनात करने का भी विरोध किया. उनके मुताबिक, ऐसा करना युद्ध को खत्म करने के बजाय उसे जारी रखने जैसा होगा. गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को के क्रेमलिन में पुतिन से चार घंटे से ज्यादा बातचीत की. यह बैठक अबू धाबी में रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के बीच दो दिन चली बातचीत के बाद हुई. इसके बाद अमेरिकी दूत आयरलैंड की राजधानी डबलिन पहुंचे और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को बातचीत की जानकारी दी. जेलेंस्की और कुशनर ने कहा कि रूस के साथ अगली बातचीत में यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे. हालांकि, रूस ने अभी इस नए बातचीत प्रारूप की पुष्टि नहीं की है. रूस ने डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुहांस्क और जापोरिज्जिया को अपना हिस्सा घोषित किया है. हालांकि, इन चारों क्षेत्रों पर उसका पूरा नियंत्रण नहीं है. यूक्रेन और पश्चिमी देश रूस के इस दावे को अवैध मानते हैं. पुतिन ने इन इलाकों पर नियंत्रण की मांग से पीछे हटने से इनकार कर दिया. पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन के कोस्त्यंतिनिव्का शहर में थोड़े समय के लिए युद्धविराम और राहत अभियान चलाने का प्रस्ताव दिया. उनका दावा है कि वहां 400 से 500 आम नागरिक फंसे हैं. रूस ने पहले इस शहर पर कब्जे का दावा किया था, लेकिन यूक्रेन का कहना है कि वहां अब भी लड़ाई जारी है।

## फ्रांस में बम की धमकी के बाद तीन स्कूल खाली कराए गए,

**पेरिस, एजेंसी।** फ्रांस में गुरुवार को बम की धमकी मिलने के बाद तीन स्कूलों को खाली कराया गया। हालांकि, बाद में जांच में ये सभी धमकियां झूठी निकलीं। फ्रांसीसी अखबार 'ले पेरिसियन' के मुताबिक, ये तीनों घटनाएं दक्षिणी फ्रांस के मार्सिले, पूर्वी फ्रांस के मोरेज और उत्तर-पूर्वी फ्रांस के लाओन शहर में हुईं। इन जगहों पर स्थित तीन शिक्षण संस्थानों को एहतियातन खाली कराया गया। फ्रांस के शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि गुरुवार को बम की धमकी मिलने की तीन घटनाएं सामने आईं। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को कहा कि फ्रांस बम की धमकियों और चेतावनियों की बढ़ती घटनाओं को लेकर बेहद सतर्क है। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, आयरलैंड की राजधानी डबलिन में नौवें यूरोपीय राजनीतिक समुदाय (ईपीसी) शिखर सम्मेलन से इतर पत्रकारों से बातचीत में मैक्रों ने कहा कि इन धमकियों के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए अभी पर्याप्त सबूत नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल किसी विदेशी ताकत को इन घटनाओं के पीछे जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। ये घटनाएं पिछले कुछ दिनों में यूरोप के कई देशों में बम की धमकियां मिलने के बीच हुई हैं। इटली में भी कई स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल मिले हैं। इतालवी अखबार 'कोरिएरे डेला सेरा' के मुताबिक, ऐसे स्कूलों की शुरुआती संख्या 1,803 बताई गई है।

## पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने इमरान खान की दो बहनों को जेल से रिहा किया

**लाहौर , एजेंसी।** पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दो बहनों को पंजाब सरकार द्वारा उनकी हिरासत के आदेश वापस लिए जाने के बाद गुरुवार को रिहा कर दिया गया. विपक्षी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं ने यह जानकारी दी. पीटीआई के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व संघीय मंत्री मूनिस इलाही ने एक बयान में कहा कि आखिरकार कुछ अच्छी खबर मिली. उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दो बहनों डॉ. उज्मा खान और नोरीन नियाजी को हिरासत के आदेश वापस लिए जाने के बाद कोट लखपत जेल से रिहा कर दिया गया. उन्होंने कहा, ''उम्मीद है कि अलीमा साहिबा और खान की पत्नी बुशरा बीबी को भी जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा.'' पीटीआई के एक अन्य वरिष्ठ नेता जुल्फी बुखारी ने कहा, ''दो बहनों की रिहाई से अन्याय खत्म नहीं हो जाता और न ही इमरान खान के परिवार को दी गई यातनाएं मिट जाती हैं. हमारी मांग स्पष्ट है।

# ट्रम्प ने ईरान शांति वार्ता से जेडी वेंस को हटाया

### कहा- उपराष्ट्रपति घरेलू मामलों पर ध्यान दें, डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करें

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को ईरान के साथ शांति वार्ता से अलग कर दिया है। ट्रम्प ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर कहा कि वेंस अब अमेरिका के डेमोक्रेटिक पार्टी शासित राज्यों और शहरों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देंगे। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका को अब ईरान के साथ किसी समझौते की जरूरत नहीं है। वेंस ने ईरान से बातचीत की कोशिश की थी ट्रम्प ने इस साल की शुरुआत में ईरान के साथ बातचीत की जिम्मेदारी वेंस को दी थी। वेंस इस युद्ध के पक्ष में नहीं थे। अप्रैल में उन्होंने पाकिस्तान जाकर ईरानी नेताओं से कई घंटे बातचीत भी की थी, लेकिन कोई समझौता नहीं हो सका। हाल ही में वेंस ने एक बार फिर ईरान से बातचीत शुरू करने की कोशिश की थी। उन्होंने कतर के जरिए ईरान के बड़े नेता मोहसिन रजाई को पत्र भेजा था। इसमें जल्द ही दोनों देशों के अधिकारियों की बैठक कराने का प्रस्ताव दिया गया था। वेंस ने यह भी कहा था कि वे अमेरिकी टीम की अगुआई करेंगे। लेकिन अब ट्रम्प ने इस कोशिश को रोक दिया है।



**वेंस ने ईरान युद्ध को चुनावी हार की वजह बताया था :** अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ है। चुनाव के बाद वेंस ने पार्टी की हार के लिए ईरान युद्ध को जिम्मेदार बताया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'हमारी हार की वजह युद्ध है।' वेंस ने यह भी कहा था कि अगर किसी को लगता है कि युद्ध की वजह से अगले छह साल तक सीनेट का नियंत्रण गंवाना सही फैसला था, तो वह अपनी बात रख सकता है। वेंस के इस बयान को ट्रम्प प्रशासन की युद्ध नीति की आलोचना माना गया था। हालांकि, ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें वेंस की बातों से कोई नाराजगी नहीं है। उन्होंने कहा था कि भले ही कई लोगों को वेंस की टिप्पणी पसंद नहीं आई, लेकिन उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है।

**अब डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करेंगे वेंस :** ट्रम्प ने वेंस को डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन वाले शहरों और राज्यों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देने को कहा है। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है। इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है।वेंस का कैरेबियाई और दक्षिण अमेरिकी देशों का दौरा भी रद्द कर दिया गया है। इस दौरे में डोमिनिकन रिपब्लिक, कोलंबिया, अर्जेंटीना और चिली जाना शामिल था। अधिकारियों के मुताबिक, इस दौरे की तैयारी अक्टूबर से चल रही थी। पहले डोमिनिकन रिपब्लिक का दौरा रद्द हुआ और फिर बाकी देशों की यात्रा भी रोक दी गई। ये सभी देश ट्रम्प प्रशासन के करीबी माने जाते हैं।

**होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अब भी तनाव जारी :** अमेरिका और ईरान के बीच बड़े सैन्य हमले फिलहाल रुके हुए हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण को लेकर भी टकराव जारी है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है। अमेरिका ने ईरान के तेल निर्यात को रोकने के लिए समुद्री नाकेबंदी कर रखी है। वहीं, अमेरिकी नौसेना के जहाज दूसरे देशों के तेल टैंकरों की आवाजाही सुरक्षित रखने के लिए गश्त कर रहे हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और सेना के बड़े अधिकारियों ने ट्रम्प को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई तेज करने के विकल्प भी दिए हैं। यानी ट्रम्प के पास युद्ध को फिर बढ़ाने का विकल्प मौजूद है। हालांकि, हाल ही में एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा था कि अब उन्हें ईरान की परमाणु क्षमता को लेकर पहले जैसी चिंता नहीं है। यही परमाणु कार्यक्रम युद्ध शुरू करने की प्रमुख वजह बताया गया था।

**ईरान ने होर्मुज खोलने के लिए शर्त रखी थी :** करीब दो सप्ताह पहले ईरान ने कहा था कि अगर अमेरिका उसकी शर्तें मान ले तो वह दो दिन के भीतर होर्मुज स्ट्रेट खोल सकता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद सोशल मीडिया पर लिखा था, 'अमेरिकी मतदाताओं ने अपना फैसला सुना दिया है। अब व्हाइट हाउस की बारी है।'

**उन्होंने कहा था, अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला किया था :** अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को परमाणु हथियार बनाने का आरोप लगाते हुए ईरान पर हमले शुरू किए थे। इसके बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए और दोनों के बीच जंग शुरू हो गई। अप्रैल की शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच सीजफायर हुआ, लेकिन यह ज्यादा समय तक नहीं चला। जून में फिर से सीजफायर और जंग खत्म करने को लेकर समझौता हुआ, लेकिन अगस्त में यह भी टूट गया और तनाव फिर बढ़ गया। अब जंग रोकने को लेकर बातचीत चल रही है।

# तालिबान का अघोषित फरमान: पुरुष डॉक्टर नहीं करेंगे महिलाओं का इलाज

**काबुल, एजेंसी।** अफगानिस्तान में तालिबान के अघोषित प्रतिबंधों ने महिलाओं के लिए बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं हासिल करना भी दूभर कर दिया है। 'द गार्जियन' और 'ज़ान टाइम्स' की एक संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, पुरुष डॉक्टरों और दंत चिकित्सकों (डेंटिस्ट) द्वारा महिला मरीजों के इलाज पर लगी अनौपचारिक रोक ने महिलाओं को बेहद बेबस कर दिया है।

इसी साल ईरान से लौटी हेरात शहर की 37 वर्षीय फरीदा (बदला हुआ नाम) का परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। जुलाई की शुरुआत में दांतों के असहनीय दर्द के कारण वह एक डेंटल क्लिनिक गई। डॉक्टर ने डेंचर लगाने की सलाह दी और पूरा खर्च एडवांस में जमा करवा लिया। लेकिन तीसरे सेशन में, जब इम्प्लांट लगाया जाना था, उन्हें यह कहकर वापस भेज दिया गया कि अभी इलाज नहीं हो सकता, आप घर जाएं। दो दिन बाद क्लिनिक ने बताया कि पुरुष डेंटिस्ट अब महिलाओं का इलाज नहीं कर सकते। तीन महीने के बाद भी फरीदा का इलाज अधूरा है।

पाबंदियों का स्तर इस हद तक पहुंच गया है कि मई में उत्तरी बल्ख प्रांत के अधिकारियों ने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को निर्देश दिया कि महिला मरीजों को उनके असली नाम से न बुलाया जाए। यहां तक कि डॉक्टर के पर्चे पर भी महिलाओं के नाम की जगह 'बीबी' लिखने का आदेश दिया गया है। कुनार प्रांत की रहीमा (बदला हुआ नाम) बताती हैं कि उनकी एक बुजुर्ग रिश्तेदार इलाज के लिए भटकना पड़ा।

**छापेमारी और जेल का खौफ :** तालिबान सुरक्षा बल क्लिनिकों पर छापेमारी कर रहे हैं। पुरुष डॉक्टरों को चेतावनी दी गई है कि यदि क्लिनिक में महिला मरीज पाई गईं, तो उन्हें जेल में डाल दिया जाएगा। एक सर्जन ने कहा कि उन्हें बिना महरम (पुरुष अभिभावक) के महिला मरीजों का इलाज न करने को कहा गया है।? फरवरी में तालिबान के संचार मंत्री हमदुल्लाह नोमानी ने दावा किया था कि इलाज करते समय पुरुष डॉक्टरों को 'महरम' ही माना जाएगा, लेकिन जमीनी हकीकत इसके ठीक विपरीत है। पूर्वी शहर जलालाबाद के एक डेंटल क्लिनिक में सहायक के रूप में काम करने वाली नरगिस (बदला हुआ नाम) बताती हैं कि कुछ डॉक्टर इलाज के दौरान बाहर एक व्यक्ति को पहरे पर रखते हैं। उनके डॉक्टर अक्सर मजाक में कहते हैं कि ऑफिस में एक 'चादरी' (अफगान बुर्का) रख लेनी चाहिए, ताकि तालिबान अधिकारियों के आने पर वह उसे पहन लें और पकड़े न जाएं।

**महिला डॉक्टरों का संकट और तालिबान का दोहरा रवैया :** दिसंबर 2024 से महिलाओं के मेडिकल संस्थानों में पढ़ने और अस्पतालों में महिला स्टाफ की भर्ती पर रोक लगने के कारण महिला डॉक्टरों की भारी कमी हो गई है। जो गिनी-चुनी महिला डॉक्टर काम कर रही हैं, उनके लिए भी महरम साथ रखना अनिवार्य है।

## अमेरिकी रक्षामंत्री को डांटने वाले सैनिक को मेडल : हेगसेथ ने खुद सम्मानित किया

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को डांटने वाले सैनिक को खुद उन्होंने मेडल देकर सम्मानित किया है। सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने 11 नवंबर को वेटरन्स डे के मौके पर युद्ध स्मारक के पास हेगसेथ और उनकी टीम को चुप रहने की हिदायत दी थी। उस समय टीम के कुछ लोग आपस में बात कर रहे थे और हंस रहे थे। गुरुवार को पेंटागन में हेगसेथ ने इग्लेसियस को जॉइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल दिया। हेगसेथ ने सम्मान समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। उन्होंने लिखा, 'हम अपने सैनिकों से प्यार करते हैं। हमें अनुशासन और तय मानकों पर गर्व है। शाबाश स्पेशलिस्ट, अपना काम जारी रखो।

**वेटरन्स डे के कार्यक्रम के बाद हुआ था पूरा मामला :** यह घटना बुधवार को अमेरिका के सालाना वेटरन्स डे के मौके पर हुई थी। इस दिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ अर्लिंगटन नेशनल कब्रिस्तान पहुंचे थे। यहां शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के बाद हेगसेथ अपनी पत्नी जेनिफर औरतीन सलाहकार रिकी बुरिया, टैमी राडाबॉ और पैट्रिक वीवर के साथ अज्ञात सैनिक की समाधि (टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर) के सामने तस्वीरें खिंचवा रहे थे। इसी दौरान समूह में से किसी के हंसने की आवाज आई। कुछ लोग आपस में बात भी कर रहे थे। वहां ड्यूटी पर तैनात सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने उन्हें तुरंत टोका। उन्होंने आवाज लगाकर कहा, 'सभी लोग हर समय शांति और सम्मान बनाए रखें।' इस घटना का वीडियो भी सामने आया था। वीडियो सामने आने के बाद पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने सैनिक का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि सैनिक ने सही और सम्मानजनक तरीके से सभी को वहां शांति बनाए रखने की याद दिलाई। यह अमेरिका के सबसे सम्मानित युद्ध स्मारकों में से एक है। यहां उन सैनिकों को दफनाया गया है, जिनकी युद्ध में मौत के बाद पहचान नहीं हो सकी थी। इनमें प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और कोरियाई युद्ध में मारे गए।

## यूएई में बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को टक्कर मारी, 3 भारतीयों समेत 14 की मौत

**दुबई/ फुजैराह , एजेंसी।** संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह में गुरुवार देर रात एक बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में तीन भारतीयों समेत 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हुए है। मरने वाले भारतीय केरल के मलप्पुरम जिले के एक ही परिवार के थे। इनमें जुड़वा भाई-बहन भी शामिल हैं। टक्कर के बाद कई गाड़ियों में आग लग गई। कुछ शव बुरी तरह जल गए हैं, इसलिए मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच कराई जा रही है।

**हादसे में 7 देशों के नागरिकों की मौत :** यूएई के गृह मंत्रालय के मुताबिक, हादसे में मारे गए लोगों में यूएई, ओमान, भारत, ब्राजील, पाकिस्तान, जॉर्डन और मिस्र के नागरिक शामिल हैं। हादसे में घायल 30 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया था। इनमें से करीब आधे लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। बाकी का इलाज जारी है।

केरल सरकार ने मृतकों के परिवार की मदद के आदेश दिए



हादसे में जान गंवाने वाले तीनों भारतीय की पहचान मुहम्मद अस्मिल, उनकी जुड़वा बहन मिस्ना जुबिन और मुहम्मद फैज के रूप में हुई है। केरल के मुख्यमंत्री वीडी. सतीशन ने पीड़ित परिवार की मदद के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने परिवार को जरूरी सहायता उपलब्ध कराने को कहा है। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भी भारतीय नागरिकों की मौत की पुष्टि की है। दूतावास ने कहा कि वह पीड़ित परिवारों के संपर्क में है और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर उन्हें हर संभव मदद दे रहा है। टक्कर के बाद गाड़ियों में आग फैली यूएई के गृह मंत्रालय के मुताबिक, हादसा फुजैराह शहर के एंट्री रूट पर आधी रात से कुछ समय पहले हुआ। सड़क पर ट्रैफिक धीमी गति से चल रहा था। इसी दौरान एक ट्रक के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। ट्रक पहले एक वाहन से टकराया और फिर पलटकर सड़क पर धीमी रफ्तार से चल रहे या रुके हुए वाहनों से जा भिड़ा। टक्कर के बाद लगी आग तेजी से आसपास की गाड़ियों में फैल गई। हादसे में कुल 23 वाहन शामिल थे, जिनमें 18 कारें और 5 ट्रक थे। सूचना मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। बचावकर्मियों ने आग बुझाने, घायलों को निकालने और उन्हें अस्पताल पहुंचाने का काम किया।

**एंट्री गेट पर धीमी रफ्तार वाहनों से जा टकराया ट्रक 23 गाड़ियां हुईं क्षतिग्रस्त :** यूएई के गृह मंत्रालय के अनुसार, यह दुर्घटना फुजैराह के एंट्री गेट पर आधी रात से कुछ समय पहले हुई, जब सड़क पर वाहन धीमी गति से चल रहे थे। हादसे में कुल 23 वाहन शामिल थे, जिनमें पांच ट्रक भी थे। मंत्रालय ने बताया कि टक्कर लगते ही ट्रक में आग भड़क उठी, जो देखते ही देखते आसपास खड़े और फंसे हुए अन्य वाहनों तक फैल गई। आग की लपटों के कारण बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ।

**मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच, भारतीय दूतावास सक्रिय :** अस्पताल में घायलों का उपचार: फुजैराह पुलिस ने जानकारी दी कि दुर्घटना में घायल हुए सभी 30 लोगों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आग में झुलसने के कारण मृतकों की शिनाख्त के लिए डीएनए जांच का सहारा लिया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक मृतकों में यूएई के कुछ स्थानीय नागरिक शामिल हैं। वहीं, यूएई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने पुष्टि की है कि इस हादसे में भारतीय नागरिकों की भी जान गई है।

## अमेरिकी नौसेना में कार्रवाई से मचा बवाल: पनडुब्बी और युद्धपोत के कमांडर हटाए; कांग्रेस ने मांगा जवाब

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी नौसेना में पिछले कुछ महीनों के दौरान कई वरिष्ठ अधिकारियों को बिना सार्वजनिक घोषणा के उनके पदों से हटा दिया गया। आमतौर पर नौसेना ऐसे फैसलों की आधिकारिक जानकारी साझा करती है, लेकिन इस बार गोपनीयता बरतने से अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य नाराज हैं। सांसदों का कहना है कि महत्वपूर्ण सैन्य पदों पर तैनात अधिकारियों को हटाने की जानकारी कांग्रेस को भी नहीं दी गई। इससे नौसेना की पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं।

**पनडुब्बी की पूरी नेतृत्व टीम पर गिरी गाज :** दो डेमोक्रेटिक सांसदों के मुताबिक, पिछले महीने समुद्र के भीतर किसी वस्तु से टकराने की घटना के बाद नौसेना ने परमाणु ऊर्जा से संचालित अटैक पनडुब्बी यूएसएस साउथ डकोटा की पूरी



नेतृत्व टीम को हटा दिया। इसमें पनडुब्बी के कमांडर, उनके डिप्टी और सबसे वरिष्ठ नाविक शामिल थे। हैरानी की बात यह है कि नौसेना ने न तो इस कार्रवाई की सार्वजनिक घोषणा की और न ही टक्कर की घटना पर विस्तृत जानकारी दी।

**ईरान के खिलाफ तैनात युद्धपोत की कमांडर भी हटाई :** एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी के अनुसार, नौसेना ने 27 सितंबर को यूएसएस माइकल मर्फी डिस्ट्रॉयर की कमांडर कैटलिन कनिंघम को भी पद से हटा दिया। यह युद्धपोत ईरान के खिलाफ अभियानों में सहायता के लिए मध्य पूर्व में तैनात था। कनिंघम को हटाने का कारण 'भरोसा खत्म होना' (लॉस ऑफ कॉन्फिडेंस) बताया गया। उन्हें कमांडर की जिम्मेदारी संभाले अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था। अधिकारी ने संवेदनशील जानकारी होने के कारण अपनी पहचान गोपनीय रखी।

**पुरानी परंपरा से अलग नौसेना की कार्रवाई :** अमेरिकी नौसेना में किसी कमांडर को हटाए जाने पर आमतौर पर कुछ ही दिनों में आधिकारिक घोषणा की जाती है। हालांकि, कनिंघम के मामले में ऐसा नहीं हुआ। मीडिया के सवालों पर भी नौसेना ने कोई टिप्पणी नहीं की। पनडुब्बी की नेतृत्व टीम को हटाने की जानकारी भी कांग्रेस को समय पर नहीं दी गई। इस रवैये को नौसेना की स्थापित सूचना साझा करने की परंपरा से अलग माना जा रहा है। कनेक्टिकट के जो कर्टनी और वाशिंगटन के एडम स्मिथ ने नौसेना के शीर्ष अधिकारियों को पत्र लिखकर नाराजगी जताई है। कार्यवाहक नौसेना सचिव हंग काओ और एडमिरल डेरिल कॉडल को भेजे गए पत्र में उन्होंने कहा कि यूएसएस साउथ डकोटा की नेतृत्व टीम को हटाने की जानकारी हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी को नहीं देना निराशाजनक है। सांसदों के मुताबिक, इस तरह की जानकारी साझा नहीं करने से नौसेना की पारदर्शिता और कांग्रेस के साथ उसके कामकाजी संबंध प्रभावित होते हैं। मोनाहन नौसेना में रियर एडमिरल होने के साथ कांग्रेस और सुप्रीम कोर्ट के अटेंडिंग फिजिशियन भी रहे हैं। उन्होंने करीब 18 वर्षों तक इस कार्यालय का नेतृत्व किया।

## एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने दिया इस्तीफा, चीनी जासूस से संबंधों के आरोपों के बीच फैसला

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** एआई हार्डवेयर कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। यह फैसला उन आरोपों के बाद सामने आया है, जिनमें दावा किया गया है कि जिस महिला के साथ उनका संबंध था, वह चीन की खुफिया एजेंसी से जुड़ी हो सकती है। बताया गया है कि एनवीडिया के निदेशक मंडल ने बुधवार को कई घंटों तक बैठक की, जिसके बाद कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कोलेट क्रेस को अंतरिम प्रमुख नियुक्त किया गया। रिपोर्टों के अनुसार, हुआंग ने स्वीकार किया है कि उनका एक ऐसी महिला के साथ संबंध था, जिस पर चीन के लिए जासूसी करने का संदेह है। कुछ स्वतंत्र मीडिया रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि वह अपनी कंपनी में काम करने वाली एक अन्य महिला के साथ भी संबंधों में थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह मामला एलिस ले हुआंग (जिनका जेनसन हुआंग से कोई पारिवारिक संबंध नहीं बताया गया है) से जुड़ा है और इसने तकनीक, व्यापार और सरकार के उच्च स्तर तक हलचल पैदा कर दी है।

कहा जा रहा है कि इस विवाद का असर अमेरिकी राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंधों, तकनीकी क्षेत्र और शेयर बाजार तक पहुंचा है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले सप्ताह एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के लिए चीन जाने की तैयारी कर रहे हैं, जहां उनकी मुलाकात चीनी राष्ट्रपति शी



जिनपिंग से होनी है।

चीन ने एलिस हुआंग के किसी भी खुफिया संबंध से इनकार किया है। जेनसन हुआंग को ट्रंप के करीबी उद्योगपतियों में माना जाता रहा है। उन्होंने चीन को उन्नत चिप्स बेचने पर लगे कुछ प्रतिबंधों में ढील देने की पैरवी की थी। उनका तर्क था कि पूरी तरह प्रतिबंध लगाने से एआई क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले ने ट्रंप प्रशासन के भीतर भी मतभेदों को उजागर किया है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने जासूसी आरोपों की जानकारी ट्रंप को दी थी, जबकि वाणिज्य मंत्री हावर्ड लटनिक जैसे कुछ लोग चीन को चिप्स बेचने के पक्ष में बताए गए। सोमवार को ट्रंप ने हुआंग का बचाव करते हुए कहा था, 'मैं जेनसन को बहुत अच्छी तरह जानता हूं। मुझे लगता है कि वह बेहद सम्मानित व्यक्ति हैं।' बताया गया है कि हुआंग ने ट्रंप से कहा था कि उन्हें एलिस हुआंग और चीन की जासूसी व्यवस्था के बीच किसी संभावित संबंध की जानकारी नहीं थी।

# रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने की उम्मीद: जेलेंस्की से मिले ट्रंप के दूत

**कीव, एजेंसी।** यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने आयरलैंड में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई, जब दोनों अमेरिकी दूत इससे पहले मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत कर चुके थे। बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए राजनयिक प्रयासों, कैदियों की अदला-बदली और शांति वार्ता में यूरोप की भूमिका बढ़ाने पर चर्चा हुई।

**कैदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली की तैयारी :** जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस मुलाकात के तीन प्रमुख नतीजों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से कैदियों की अब तक की सबसे बड़ी अदला-बदली की तैयारी की जा रही है। जेलेंस्की ने इसे बातचीत का पहला मानवीय नतीजा बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस पहल से बड़ी संख्या में युद्धबंदियों की रिहाई का रास्ता साफ होगा।

**शांति वार्ता में यूरोप को बराबर की भागीदारी :** जेलेंस्की ने कहा कि दूसरा बड़ा नतीजा राजनयिक प्रयासों में यूरोपीय प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाना है। यूक्रेन चाहता



है कि शांति वार्ता की मेज पर यूरोप को भी बराबर की जगह मिले। उनके मुताबिक, यूक्रेन पूरे यूरोप के हितों की रक्षा करता है और इसलिए इस प्रक्रिया में यूरोपीय देशों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

**बहुपक्षीय बैठकों का भी बनेगा रास्ता :** यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कुछ और बहुपक्षीय बैठकों की तैयारी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यूक्रेन राजनयिक प्रयास जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इन बैठकों का उद्देश्य रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष का समाधान निकालने के लिए बातचीत को आगे बढ़ाना है।

**मॉस्को में पुतिन से मिले थे अमेरिकी दूत :** आयरलैंड में हुई बैठक से पहले विटकॉफ और कुशनर ने मॉस्को के क्रेमलिन में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। इस दौरान रूस, यूक्रेन और अमेरिका के बीच चल रही बातचीत के ताजा घटनाक्रमों की समीक्षा की गई। यह बैठक अबू धाबी में दो दिनों तक चली त्रिपक्षीय बातचीत के बाद हुई थी। हालांकि, अबू धाबी वार्ता में कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ, लेकिन कैदियों की अदला-बदली सहित कुछ मुद्दों पर प्रगति हुई। विटकॉफ ने बातचीत को बताया सकारात्मक मॉस्को से रवाना होने से पहले वुनुकोवो हवाई अड्डे पर सीएनएन से बातचीत में विटकॉफ ने वार्ता को सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि बातचीत में प्रगति हुई है और त्रिपक्षीय वार्ता दोबारा शुरू करना अपने आप में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उनके मुताबिक, अगली बैठक भी तय कर ली गई है। विटकॉफ ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप संघर्ष को बातचीत के जरिए समाप्त करने के प्रयास कर रहे हैं और इस दिशा में आगे बढ़ना उनकी प्राथमिकता है। उन्हें उम्मीद है कि इस बातचीत से अगले दौर की बहुपक्षीय वार्ता को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। विटकॉफ ने यह भी कहा कि यूरोपीय देश अमेरिका के साझेदार हैं और शांति प्रक्रिया में उनकी भागीदारी जरूरी है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

### छठ पूजा का महापर्व : सूरत में नदी किनारे घाट तैयार

# 15 नवंबर को डूबते सूर्य को दिया जाएगा अर्घ्य सूरत में 25 स्थानों पर उमड़ेंगे 5 लाख श्रद्धालु

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

लोक आस्था का महापर्व छठ पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ उत्तर प्रदेश और बिहार के साथ-साथ गुजरात के कई शहरों में भी मनाया जा रहा है। 13 नवंबर, शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय महापर्व की शुरुआत हुई। वहीं, आज 14 नवंबर, शनिवार को व्रती (व्रत रखने वाले श्रद्धालु) खरना की पूजा कर रहे हैं।

छठ पूजा की भव्य रौनक अहमदाबाद और सूरत में भी देखने को मिल रही है।

सूरत में 25 स्थानों पर छठ पूजा के आयोजन किए गए हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और ओडिशा के मूल निवासियों के साथ स्थानीय गुजराती श्रद्धालुओं सहित 5 लाख से अधिक लोगों के विभिन्न घाटों पर पूजा और दर्शन के लिए पहुंचने की संभावना है।

**पहला दिन: 13 नवंबर को नहाय-खाय** छठ पूजा का पहला दिन नहाय-खाय कहलाता है। इस दिन व्रती सुबह जल्दी उठकर स्नान करते हैं। परंपरा के अनुसार, व्रत रखने वालों के लिए लौकी की सब्जी, चने की दाल और चावल जैसे सात्विक भोजन तैयार किए जाते हैं। भोजन में लहसुन और प्याज का इस्तेमाल नहीं किया जाता।

सबसे पहले भगवान को भोग लगाया जाता है। इसके बाद व्रती प्रसाद के रूप में भोजन ग्रहण करते हैं। नहाय-खाय को तन और मन की शुद्धि तथा कठिन व्रत की शुरुआत का दिन माना जाता है।

**दूसरा दिन: 14 नवंबर को खरना**

छठ पूजा का दूसरा दिन खरना कहलाता है। इस दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखते हैं। शाम को सूर्यास्त के बाद पूजा की तैयारियां की जाती हैं। परंपरा के अनुसार, मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ी से आग जलाकर गाय के दूध और गुड़ से खीर बनाई जाती है।

खीर के साथ अन्य पारंपरिक पकवान भी तैयार किए जाते हैं। पूजा के बाद छठी मैया को भोग लगाया जाता है और व्रती प्रसाद ग्रहण करते हैं। खरना का प्रसाद ग्रहण करने के बाद लगभग 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है। इस दौरान व्रती न तो भोजन करते हैं और न ही पानी पीते हैं। यह व्रत 16 नवंबर की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पूरा होता है।

**तीसरा दिन: 15 नवंबर को डूबते सूर्य को अर्घ्य**

छठ पूजा का तीसरा दिन सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। सुबह से ही घरों में पूजा की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। बांस की टोकरी और सूप में पूजा सामग्री सजाई जाती है।

इसमें ठेकुआ, फल, नारियल, गन्ना, मूली, अदरक और अन्य मौसमी सामग्री रखी जाती है। छठ पूजा का मुख्य प्रसाद ठेकुआ होता है, जिसे गेहूं के आटे, गुड़ और घी से तैयार किया जाता है। इसे भगवान सूर्य और छठी मैया को अर्पित किया जाता है।

शाम को व्रती परिवार के सदस्यों के साथ नदी, तालाब या अन्य जलाशयों के किनारे पहुंचते हैं। पानी में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद भी व्रती पूरी रात निर्जला उपवास जारी रखते हैं।

**चौथा दिन: 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य**

छठ महापर्व का चौथा और अंतिम दिन उषा अर्घ्य कहलाता है। इस दिन सुबह सूर्योदय से पहले ही व्रती पूजा सामग्री लेकर नदी और तालाबों के घाटों पर पहुंच जाते हैं।

सूर्योदय होते ही पानी में खड़े होकर उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। सूर्यदेव को जल और दूध अर्पित कर छठी मैया से परिवार की खुशहाली, संतान की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की जाती है।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती छठी मैया की पूजा करते हैं और प्रसाद ग्रहण कर व्रत का पारण करते हैं। इसी के साथ लगभग 36 घंटे से जारी निर्जला उपवास समाप्त हो जाता है।

**सूरत में छठ महापर्व को लेकर भारी उत्साह**

सूरत शहर में छठ महापर्व को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह है। शहर में लगभग 1 से 1.25 लाख व्रती छठ पूजा का कठिन व्रत रखेंगे। अंबाजी मंदिर के पीछे स्थित घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

प्रशासनिक नियमों और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्रतियों को सीधे नदी में उतरने की अनुमति देने के बजाय घाट पर ही स्वच्छ पानी भरकर स्नान और अर्घ्य देने की व्यवस्था की गई है।

इसके अलावा वाहनों के लिए वैली पार्किंग, 16 नवंबर को सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण तथा स्वयंसेवकों की ओर से नि:शुल्क नींबू पानी और चाय की सेवा उपलब्ध कराई जाएगी।

सुरक्षा व्यवस्था के तहत ट्रस्ट के 60 से 70 कार्यकर्ता, 30 से 40 महिला सुरक्षाकर्मी और उमरा पुलिस स्टेशन के 100 पुलिस जवान तैनात रहेंगे।

### अश्विनीकुमार में युवक की चाकू मारकर हत्या का मामला

# समझौते के बहाने बुलाने का आरोप क्राइम ब्रांच ने तीन संदिग्ध आरोपियों को गिरफ्तार

### गाड़ी चलाने की मामूली कहासुनी में हुआ था मर्डर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अश्विनीकुमार इलाके में दिवाली के त्योहार के दौरान गाड़ी चलाने जैसी मामूली बात को लेकर हुई कहासुनी की रंजिश में राजू सरोज, रमेश बिंद और साहिल सोनकर सहित आरोपियों ने राजेंद्र सुरेशभाई माली की सरेआम चाकू से वार कर निर्मम हत्या कर दी थी। आरोपियों ने समझौता करने और माफी मांगने के बहाने राजेंद्र को बुलाकर इस खूनी वारदात को अंजाम दिया था। इस मामले में क्राइम ब्रांच ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।




गत 8 नवंबर को मृतक राजेंद्र माली और शिकायतकर्ता की आरोपियों के साथ गाड़ी चलाने को लेकर मामूली कहासुनी हुई थी। इसी बात की रंजिश रखते हुए 10 नवंबर को शाम करीब 5 बजे आरोपियों ने अतलजी नगर स्थित शनिदेव मंदिर के पीछे वाली गली के कोने पर राजेंद्र को यह कहकर बुलाया कि 'हमें माफी मांगनी है और समझौता करना है।'

इसके बाद आरोपियों ने उसके साथ हाथापाई शुरू कर दी और धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर राजेंद्र की हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

इस सनसनीखेज हत्याकांड के बाद अश्विनीकुमार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। सूरत क्राइम ब्रांच की अलग-अलग टीमों ने जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी सर्विलांस के आधार पर आरोपियों की तलाश तेज कर दी।

इसी दौरान क्राइम ब्रांच के एंटी ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एवं फरार आरोपियों को पकड़ने वाली स्क्वॉड के पीएसआई एस.आर. दुबे की टीम को मिली पुख्ता सूचना के आधार पर अमरोली के अंजनी इंडस्ट्रियल इलाके से तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

इस संबंध में पीआई आर.आई. जाडेजा ने बताया कि अश्विनीकुमार इलाके में गाड़ी चलाने को लेकर हुई कहासुनी में राजेंद्रभाई माली की हत्या करने के आरोप में उत्तर प्रदेश मूल के राजू रामकिशोर सरोज (उम्र 22 वर्ष), रमेश सुभाषभाई बिंद (उम्र 21 वर्ष) और साहिल पप्पूभाई सोनकर (उम्र 19 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया है। तीनों को अश्विनीकुमार पुलिस के हवाले करने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

इस अपराध में शामिल एक अन्य वांछित आरोपी राहुल गुप्ता (निवासी अमरोली आवास) को पकड़ने के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें तलाश में जुटी हुई हैं।

### वेस्टेज कपड़ों के गोदाम में भीषण आग

# 9 बीघा क्षेत्र चपेट में-6 घंटे बाद भी बेकाबू अवैध रूप से डंप किए गए 1,000 टन कपड़े के कचरे में आग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन इलाके में स्थित इकलेरा गांव की सीमा में आज सुबह करीब 10 बजे भीषण आग लग गई। छह घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। लगभग 8 से 9 बीघा के विशाल खुले खेत में कथित तौर पर अवैध रूप से जमा किए गए करीब 1,000 टन कपड़े के टुकड़े और वेस्टेज का ढेर आग की चपेट में आ गया। इस घटना के कारण आसपास के इलाके में अफरा-तफरी और चिंता का माहौल पैदा हो गया है।



फायर ऑफिसर कृष्णा मुने के अनुसार, खुले खेत में तेज हवा चलने के कारण अज्ञात वजह से लगी आग देखते ही देखते करीब 9 बीघा क्षेत्र में फैल गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग की 15 से 20 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया है।

दोपहर 4 बजे तक लगातार पानी की बौछारें करने के बावजूद कपड़े के वेस्टेज का ढेर काफी बड़ा होने के कारण आग बुझाने में अभी 3 से 4 घंटे और लग सकते हैं। राहत की बात यह है कि अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है।

प्रारंभिक जांच में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि आसपास के करीब 3 किलोमीटर के औद्योगिक क्षेत्र से निकलने वाला औद्योगिक कचरा और कपड़ों का वेस्टेज नियमों के विपरीत इस खेत में डाला जा रहा था।

बताया जा रहा है कि इस विशाल खेत को कथित तौर पर अवैध रूप से किराये पर देकर डंपिंग साइट बना दिया गया था। फिलहाल प्रशासन और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है कि यह अवैध गतिविधि किसकी निगरानी या संरक्षण में चल रही थी और इसके लिए किसने अनुमति दी थी। मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है।

## कपड़े के गोदाम में भीषण आग रिहायशी 11 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com



सूरत के उधना इलाके के भिंडी बाजार और सत्यनारायण नगर क्षेत्र में स्थित एक कपड़े के गोदाम में अचानक भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। गोदाम में बड़ी मात्रा में कपड़े और चिंदी का स्टॉक जमा होने के कारण आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप धारण कर लिया। इस घटना के चलते आसपास के पूरे इलाके में अफरा-तफरी और भय का माहौल बन गया।

मिली जानकारी के अनुसार, गोदाम में आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। गोदाम के आसपास घनी आबादी वाला रिहायशी क्षेत्र होने के कारण लोगों में दहशत फैल गई। आग की ऊंची लपटें और काले धुएं के गुबार दूर-दूर तक दिखाई दे रहे थे। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आसपास के मकानों और फ्लैटों में रहने वाले लोग तुरंत अपने घरों से बाहर निकल आए और सुरक्षित स्थानों पर चले गए।



आग की गंभीरता को देखते हुए तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही फायर विभाग की टीमें सक्रिय हो गईं और शहर के नौ अलग-अलग फायर स्टेशनों से करीब 11 दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं।

दमकलकर्मियों ने मोर्चा संभालते हुए पानी की बौछारें शुरू कीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने का प्रयास किया। रिहायशी क्षेत्र होने के कारण घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। राहत एवं बचाव कार्य में बाधा न आए, इसके लिए पुलिस भी मौके पर सक्रिय रही।

भीड़ को नियंत्रित करने और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए दो से तीन पीसीआर वैन को घटनास्थल पर बुलाया गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए यातायात नियंत्रित किया और लोगों को घटनास्थल से सुरक्षित दूरी पर रखा।

राहत की बात यह रही कि इस भीषण आग की घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली। हालांकि, गोदाम में रखा कपड़े का बड़ा स्टॉक और अन्य सामान जलकर नष्ट हो गया।

इसके अलावा, गोदाम के पास खड़ी एक चार पहिया कार भी आग की चपेट में आ गई और पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई।

दमकल विभाग की समय पर कार्रवाई और कड़ी मशक्कत के चलते आग को आसपास के अन्य मकानों और रिहायशी सोसायटी तक फैलने से रोकने में सफलता मिली। इससे एक बड़ा हादसा टल गया।

आग पर काबू पाने के बाद संबंधित विभाग द्वारा आग लगने के कारणों और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जाएगी।

### सूरत शहर में कानून-व्यवस्था से जुड़ी तीन अलग-अलग घटनाएं

# पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस से 8.55 लाख का गांजा जब्त, पार्किंग विवाद में व्यापारी परिवार पर हमला, पांडेसरा में टैक्सी चालक को चाकू मारकर 2 मोबाइल लूटे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में कानून-व्यवस्था से जुड़ी तीन अलग-अलग घटनाएं सामने आई हैं। पांडेसरा इलाके में टैक्सी चालक पर चाकू से हमला कर मोबाइल लूटने की वारदात हुई, जबकि इसी इलाके में पार्किंग जैसे मामूली विवाद को लेकर एक व्यापारी और उसके परिवार पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। इसके अलावा, सूरत रेलवे पुलिस और आरपीएफ की टीम ने 'मिशन सेफ स्टेशन' के तहत पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन से 8.55 लाख रुपये कीमत का 17.115 किलोग्राम गांजा लावारिस हालत में बरामद किया है।

**पांडेसरा में टैक्सी चालक को चाकू मारकर दो मोबाइल लूटे**

पांडेसरा की साईं मोहन सोसायटी में रहने वाले 22 वर्षीय टैक्सी चालक अनिल बद्रीप्रसाद मीणा 11 नवंबर की रात तिरुपति सर्कल से अलथाण की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कार में यात्री बनकर बैठे तीन और पीछे से आए एक अन्य व्यक्ति सहित कुल चार अज्ञात लोगों ने चालक की जेब से मोबाइल निकाल लिया। जब आरोपियों को अन्य कोई सामान नहीं मिला तो उन्होंने चालक के साथ लात-घूंसों से मारपीट की। इसी दौरान लंबे बालों वाले एक युवक ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे चालक के दाहिने हिस्से में चोट आई।

आरोपी करीब 20 हजार रुपये कीमत के दो मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। इस मामले में पांडेसरा पुलिस ने शिकायत के आधार पर अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

**पार्किंग विवाद में व्यापारी और परिवार पर हमला**

दूसरी घटना में पांडेसरा के बमरोली रोड स्थित पुनीत नगर सोसायटी में रहने वाले 41 वर्षीय व्यापारी शिवेंद्र राजेंद्र सिंह 12 नवंबर की रात अपने घर के सामने बाइक पार्क करने गए थे।

इस दौरान पेड़ के नीचे बैठे पड़ोसी जीतू बघेल से उन्होंने गाड़ी साइड में करने के लिए कहा। आरोप है कि इस बात पर जीतू बघेल नाराज हो गया। इसके बाद जीतू बघेल और उसके साथी राहुल, संदीप तथा एक अन्य व्यक्ति ने मिलकर व्यापारी, उनके भाई और भाभी पर प्लास्टिक के बैट और धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में उनके माथे पर चोट आई।

आरोपियों ने परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है।

**पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस से 8.55 लाख रुपये का गांजा जब्त**

तीसरी घटना में सूरत रेलवे पुलिस (GRP) और रेलवे सुरक्षा बल (RPF) की टीम ने 14 नवंबर को ट्रेन नंबर 12843 पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस में जांच अभियान चलाया। ट्रेन के व्यारा रेलवे स्टेशन से गुजरने के बाद की गई जांच के दौरान आरक्षित कोच नंबर B/6 में सीट नंबर 57 से 62 के नीचे संदिग्ध हालत में रखे एक भूरे रंग के ट्रॉली बैग और एक काले बैकपैक की तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान दोनों बैग से 17.115 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इसकी अनुमानित कीमत 8,55,750 रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, अज्ञात व्यक्ति पुलिस कार्रवाई के डर से गांजे से भरे दोनों बैग लावारिस छोड़कर फरार हो गया। सूरत रेलवे पुलिस ने NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गांजे के स्रोत और इसके पीछे शामिल व्यक्ति की पहचान करने के लिए जांच शुरू कर दी है।